पाठ 1

रंग-बिरंगे खिलते फूल

लाल-लाल और पीले फूल
खिलते रंग-रंगीले फूल
इन्द्रधनुष से सतरंगे
दिखते प्यारे-प्यारे फूल।

इनकी महक हमको मोहे
गंध इनकी सबको सोहे
भीनी-भीनी खुशबू वाले
मस्ती में भर देते फूल।

बाग-बगीचे या तालाब में
कभी दिन में, कभी रात में
सर्दी, गर्मी या बरसात में
खिल जाते हैं सुन्दर फूल।

मीठा-मीठा शहद बनाते,
बन इत्र खुशबू फैलाते,
रंगरेजों के मन को भाते,
मालाओं में गुँथ जाते फूल।

© BSTBPC
WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

1. आपने भी कई तरह के फूल देखे होंगे। इनके नाम लिखिए।

   ----

2. फूलों का उपयोग किन–किन कार्यों में होता है? लिखिए।

कुछ फूल दिन में खिलते हैं तो कुछ रात में। कुछ धरती पर खिलते हैं तो कुछ पानी में। कुछ फूल वर्षभर खिलते हैं तो कुछ फूल सर्दी, गर्मी या सिर्फ बरसात में ही खिलते हैं।

2. किन्हीं दो फूलों के नाम बताइए–

(i) जो लाल रंग के हैं ____________________

(ii) जो सफेद रंग के हैं ____________________

(iii) जिनका रंग पीला है ____________________

(iv) जो पानी में खिलते हैं ____________________

(v) जिनको आँख बंद करके खुशबू से भी पहचान सकते हैं ____________________

3. क्या आप बता सकते हैं कि कौन से फूल दिन में खिलते हैं और कौन से फूल रात में खिलते हैं?

दिन में खिलनेवाले	रात में खिलनेवाले

© BSTBPC WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

4. किस मौसम में कौन से फूल खिलते हैं? सारणी में भरिए।

क्र.सं.	सर्दी	गर्मी	बरसात	सालभर
1.				
2.				
3.				
4.				

5 (i) आपने फूलों को भिन्न–भिन्न प्रकार के पेड़–पौधों पर खिलते हुए देखा होगा। कुछ फूल झाड़ीदार पौधों पर खिलते हैं, कुछ बड़े–बड़े पेड़ों पर और कुछ लंबी–लंबी लताओं पर। इनके नाम सारणी में लिखिए।

क्र.सं.	पेड़ों पर खिलनेवाले फूल	झाड़ीदार पौधों पर खिलनेवाले फूल	लताओं पर खिलनेवाले फूल
1.			
2.			
3.			
4.			

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

(ii) क्या कोई ऐसे पेड़–पौधे हैं जिन पर फूल नहीं खिलते हैं? लिखिए।

----

6. (i) आप अपने साथियों के साथ आस–पास के पौधों पर खिले किसी फूल को जाकर देखिए तथा उसका चित्र बनाइए।

(ii) अब बताइए–

- आपने किस फूल को देखा? ________________
- फूल का रंग कैसा है? ________________
- क्या फूल में गंध है? ________________
- फूल का पौधा ज़मीन पर है या पानी में? ________________
- फूल का आकार कैसा है? ________________

  (वृत्ताकार/गोल/घंटीनुमा/कटोरीनुमा या इन सबसे अलग)
- अकेले खिलता है या गुच्छों में? ________________
- फूलों में कितनी पंखुड़ियाँ हैं? ________________
- पंखुड़ियाँ आपस में जुड़ी हैं या अलग–अलग हैं? ________________
- पंखुड़ियों के निचले हिस्से को ढँकनेवाली अंखुड़ियाँ किस रंग की हैं? ________________
- इन अंखुड़ियों की संख्या कितनी है? ________________
- अंखुड़ियाँ आपस में जुड़ी हैं या अलग–अलग हैं? ________________

  (इस गतिविधि को 4–5 फूलों के साथ कीजिए।)

WEBCOPY ©RSTBPC NOT TO BE PUBLISHED

7. अपने आस–पास की किन्हीं तीन पौधों की कलियों और फूलों का चयन कीजिए। आप इन पौधों पर खिली हुई एक–दो कलियों पर धागा बाँधकर निशान लगाइए। अब कुछ दिनों तक इन कलियों को ध्यान से देखिए और बताइए कि कलियाँ कितने दिनों में खिलकर फूल बन गईं।

फूल का नाम	पहली बार किस तिथि को कली देखा	किस तिथि को कली फूल बन गई

फूल कई लोगों की रोज़ी–रोटी के साधन हैं। कुछ लोग फूलों की खेती करते हैं, तो कुछ लोग फूल या उससे बनी चीज़ों की खरीद–बिक्री करते हैं।

8. क्या आपके गाँव या शहर में कोई फूल बेचनेवाला/वाली है? उनके पास जाकर पता कीजिए–

(i) वह कौन–कौन से फूल बेच रहा/रही है? प्रत्येक फूल का मूल्य क्या है?

क्र.सं.	फूल का नाम	मूल्य
1.		
2.		
3.		
4.		

(ii) वह फूल कहाँ से लाता/लाती है?

____

____

(iii) वह फूलों से बनी किन–किन चीज़ों की बिक्री करता/करती है? फूलों से बनी विभिन्न चीज़ों के मूल्य क्या हैं?

BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

क्र.सं.	फूलों से बनी सामग्री	मूल्य
1.	गेंदे का हार	
2.		
3.		
4.		
5.		

9. (i) क्या आपके गाँव में फूलों की खेती होती है? ______________________

(ii) इससे क्या लाभ होता है?

____

____

पाठ 2

कोई देता अंडे, कोई देता बच्चे

नीतू और नीशू की परीक्षा हो चुकी थी। दोनों बहनें छुट्टियों का मज़ा ले रही थीं। एक दिन दोपहर में दोनों अपने कमरे में लेटी हुई थीं।

नीशू बोली– दीदी, देखो न, वे दो गौरैया तिनके चुन रही हैं और इन्हें डाली पर इकट्ठा कर रही हैं।

नीतू– हाँ, ये अपना घोंसला बना रही हैं। फिर ये घोंसले में अंडे देंगी। अंडों से उनके बच्चे निकलेंगे।

© BSTBPC WEBCOPY: NOT TO BE PUBLISHED

नीशू अंडे देखने को बहुत उत्सुक थी। गर्मी बढ़ने लगी। उन्होंने झरोखे पर पानी रख दिया। कुछ दिनों बाद गौरैया ने तीन छोटे और उजले अंडे दिए। नीशू ज़ोर से चिल्लाई–दीदी! दीदी! घोंसले में अंडे आ गए।

नीतू बोली– गलती से भी अंडों को छूना नहीं। नहीं तो अंडों से बच्चे नहीं निकलेंगे।

कुछ दिनों बाद उस घोंसले से चीं–चीं की आवाज़ आने लगी। नीशू ने घोंसले में झाँका तो खुशी के मारे झूम उठी। अंडों से तीन छोटी–छोटी गौरैया जो निकली थीं।

बताइए–

1. (i) कौन–कौन से जीव–जन्तु अंडे देते हैं?

____

____

____

(ii) क्या अंडों से बच्चे तुरंत निकल आते हैं? यदि कुछ दिनों के बाद निकलते हैं तो इस बीच अंडों के साथ उनकी माँ क्या करती है?

(iii) कुछ जीव–जन्तु एक बार में एक और कुछ एक बार में एक से अधिक अंडे देते हैं। इनके बारे में पता करके नीचे की सारणी में लिखिए।

क्र. सं.	एक बार में एक अंडा देनेवाले जीव	एक बार में अनेक अंडे देनेवाले जीव
1.		
2.		
3.		
4.		

नीचे दिए चित्र देखकर बताइए कि क्या ये जीव भी अंडे देते हैं ?

© BSTBPC
WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

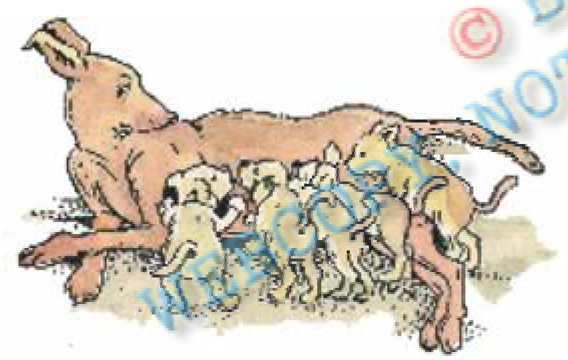

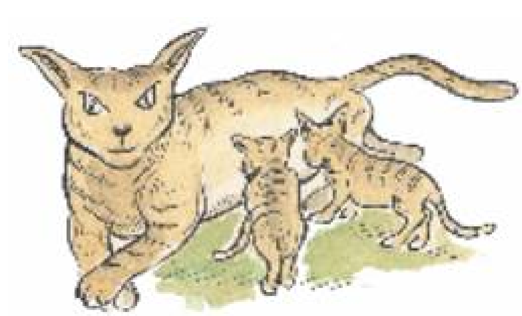

2. (i) पिछले पृष्ठ पर बने चित्रों में क्या समानता है?

(ii) कुछ जीव अंडे न देकर सीधे बच्चों को जन्म देते हैं। आपने अपने आस–पास ऐसे बहुत से जीव–जन्तु और उनके बच्चे को देखा होगा। उनके नाम लिखिए।

(iii) अलग–अलग जीव–जन्तुओं के बच्चों को हम अलग–अलग नामों से बुलाते हैं। नीचे कुछ जीव–जन्तुओं के नाम दिए गए हैं। उनके सामने उनके बच्चों के नाम लिखिए।

जीव–जंतु का नाम	बच्चे का नाम	जीव–जंतु का नाम	बच्चे का नाम
गाय	बछड़ा	बकरी	
भैंस		मनुष्य	
कुत्ता		सूअर	
भेंड़		शेर	

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

(iv) इन जीवों में से कुछ एक बार में एक बच्चे को ही जन्म देते हैं और कुछ एक से अधिक। अब इस सारणी को पूरा कीजिए।

क्र.सं.	एक बार में एक बच्चे देनेवाले जीव	एक बार में एक से अधिक बच्चे देनेवाले जीव
1.		
2.		
3.		

3. आपने अपने घर में या आस–पास बहुत से जीवों के नवजात बच्चों को देखा होगा। ऐसे जीवों के नाम लिखिए जो पैदा होते ही–

(i) चलने लगते हैं ——————————————————————

(ii) नहीं चलते हैं ——————————————————————

(iii) जिनके मुँह में शुरू से दाँत होते हैं

——————————————————————————

(iv) जिनके मुँह में शुरू से दाँत नहीं होते हैं

——————————————————————————

4. क्या जानवर अपने बच्चों की देखभाल करते हैं? किन्हीं दो जानवरों को ध्यान से देखिए। वे अपने बच्चों की देखभाल कैसे करते हैं? लिखिए।

——————————————————————————

——————————————————————————

——————————————————————————

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

5. इस वर्ग में कुछ अंडे और कुछ बच्चे देनेवाले जीवों के नाम छिपे हैं। उन्हें खोजिए और लिखिए।

शु	तु	र	मु	र्ग	कौ	ऊ
च	म	गा	द	ड़	ट	छु
छि	बं	गि	ल	ह	री	आ
प	ट	डा	ध	ना	ई	र
कि	र	डॉ	कं	म	च्छ	र
लौ	ह	लि	ना	नि	ब	ग
जूँ	धी	न	रु	त	ल	छ
अ	ज	ग	र	लौं	री	ली

बच्चे देनेवाले जीव	अंडे देनेवाले जीव
————————	————————
————————	————————
————————	————————
————————	————————
————————	————————
————————	————————
————————	————————
————————	————————

(शिक्षक बच्चे देनेवाले जीवों को लाल एवं अंडे देनेवाले जीवों को हरे रंग से रँगने की गतिविधि भी करवा सकते हैं।)

कभी–कभी कुछ इंसानों के बच्चे नहीं होते हैं। जब इंसानों के बच्चे नहीं होते हैं, तो वे बच्चों को गोद ले सकते हैं। कुछ संस्थाएँ कानूनी तौर पर यह मदद करती हैं।

6. नीचे लिखी कविता को पढ़िए। कविता के आधार पर पृष्ठ पर दी गई खाली जगह में चित्र बनाइए।

हँसते–खेलते बच्चे

मुर्गी–बत्तख अंडा देते,
गाय–बकरी देते बच्चे,
ये बच्चे परिवार में,
देखो लगते कितने अच्छे।
कुतिया हमको पिल्ले देती,
सूअर देती छौना,
साँप छिपकली अंडे देते,
बिल हो चाहे कोना।
व्हेल–डॉल्फिन के बच्चे,
पानी में हैं दौड़ लगाते,
चमगादड़ के बच्चे उड़कर
अंधेरे में भी धूम मचाते।
मगर–घड़ियाल अपने अंडे,
गड्ढा खोद छिपाते हैं,
कछुए जब देते हैं अंडे
बालू का घर बनाते हैं।

© BSTBPC
WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

पाठ 3

हड़बड़ में गड़बड़

जंगल में सभा हुई। सभी जानवर एक जगह एकत्रित हुए। जानवरों के बच्चे भी वहीं आपस में खेल रहे थे। बच्चों ने सोचा– सभी बड़े केवल अपने बारे में सोचते हैं। हम पर बहुत कम ध्यान देते हैं। चलो, हम भी अपनी बात रखेंगे।

बच्चों ने अपनी तस्वीर बनवाने की जिद पकड़ ली। राजा शेर ने चित्रकार गोलू खरगोश को चित्र बनाने की आज्ञा दी।

बच्चों ने 'पहले मेरा, पहले मेरा' की रट लगा दी। गोलू खरगोश तंग आ गया और हड़बड़ में गड़बड़ कर बैठा। एक का कान दूसरे पर बना दिया।

© BSTBPC WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

1. गोलू खरगोश द्वारा बनाया गया चित्र देखिए और लिखिए कि किस जानवर के सिर पर किसके कान हैं?

जानवर	कान	जानवर	कान
हिरण	भैंस	हाथी	....
भैंस	....	जिराफ	....
कुत्ता	....	चूहा	....

आप अपने आस–पास बहुत सारे बड़े–छोटे जीव–जन्तुओं को देखते होंगे। इनमें से कुछ के कान दिखाई देते हैं और कुछ के नहीं।

2. (i) नीचे कुछ जीव–जन्तुओं के नाम दिए गए हैं। उनको सारणी में भरिए।

हिरण, चीता, सुअर, मछली, मैना, जिराफ, मेंढक, चिड़िया, छिपकली, चींटी, कौआ, साँप, छिपकली, हाथी, बिल्ली।

क्र. सं.	जिनके कान बाहर दिखाई देते हैं	जिनके कान बाहर दिखाई नहीं देते हैं
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		

© BSTBPC
WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

(ii) जिनके कान बाहर नहीं दिखते हैं, उनके कान होते हैं या नहीं? ——————

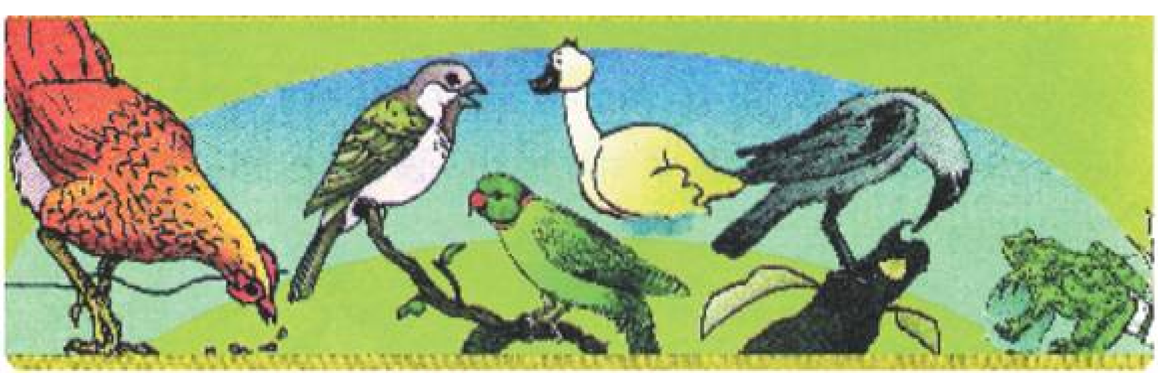

3. (i) पूर्व पृष्ठ के चित्रों को पहचानिए और इनके नाम लिखिए।

________________ ________________ ________________

________________ ________________ ________________

(ii) क्या आपको इनके कान दिखाई दे रहे हैं? ____________________

इन सभी पक्षियों के कान होते हैं, तभी ये सुन पाते हैं। हाँ, हमें दिखाई नहीं पड़ते। इन सभी के कान छिद्रों के रूप में होते हैं। छिपकली और मगरमच्छ के कान की जगह भी सिर्फ दो छोटे छेद होते हैं। ध्यान से देखिए, आपको भी दिखेंगे।

4. आइए, अपनी नज़र घुमाइए और पता कीजिए कि और कौन–कौन से जीव हैं, जिनके कान बाहर दिखाई नहीं देते हैं?

____________ ____________ ____________ ____________

____________ ____________ ____________ ____________

5. ऐसे जानवरों के नाम लिखिए, जिनके कान होते हैं–

- पत्ते की तरह ____________________
- सिर के ऊपर ____________________
- सिर के दोनों तरफ ____________________

© BSTBPC WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

जंगल के जानवर चित्रों को देखकर ज़ोर–ज़ोर से हँसने लगे। चित्रकार गोलू खरगोश ने अपनी कूची उठाई और लगा चित्रों में रंग भरने। इसी समय चुलबुली गिलहरी बोली–'खरगोश दादा! ज़रा ठहरिए। रंग भरने के पहले सभी खाल का डिज़ाइन तो बना लीजिए'।

गोलू खरगोश ने सभी जानवरों का डिज़ाइन बना दिया। जानवर के बच्चे उन्हें अपने अनुरूप सजाने लगे।

आप भी डिज़ाइन पहचानकर चित्र में दिए जानवरों के शरीर पर खाल बनाइए।

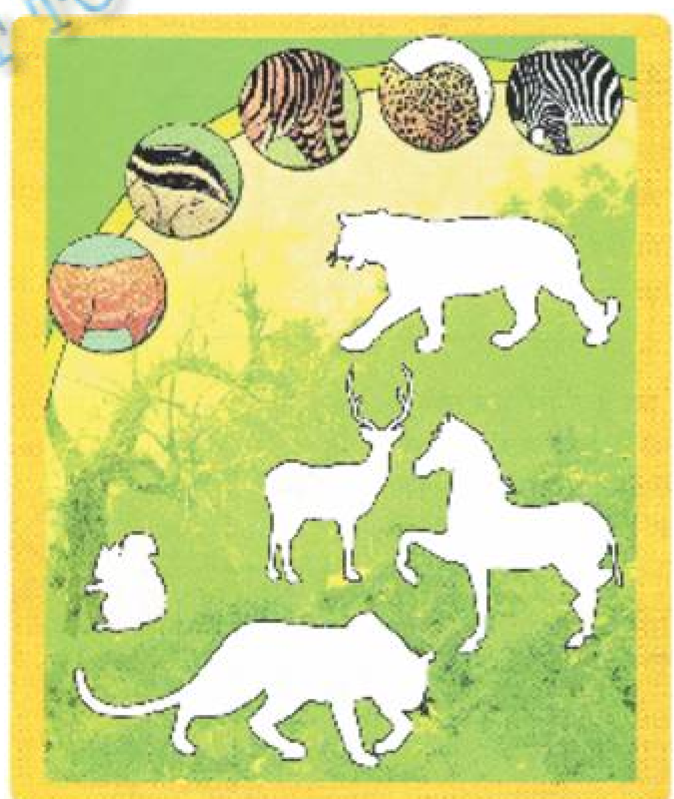

जानवरों के शरीर पर ऐसे डिज़ाइन उनके बाल से बनते हैं। ज़रा सोचिए, उनके शरीर पर से बाल हटा दिए जायें, तो ये जानवर कैसे दिखाई देंगे?

6. नीचे कुछ जानवरों के नाम लिखे हैं। इन नामों से नीचे बनी तालिकाओं को पूरा कीजिए—

गाय, चूहा, कौआ, सुअर, लोमड़ी, मुर्गी, ऊँट, बत्तख, मेंढ़क, हाथी, भैंस, गौरैया, कबूतर, बिल्ली, मोर, छिपकिली

क्र. सं.	कान बाहर दिखाई देते हैं	खाल पर बाल हैं	कान बाहर दिखाई नहीं देते हैं	खाल पर बाल नहीं हैं /खाल पर पंख हैं
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				

(i) क्या जिन जानवरों के कान बाहर दिखाई देते हैं उनकी खाल पर बाल होते हैं?

(ii) क्या जिन जानवरों के कान बाहर नहीं दिखाई देते हैं उनकी खाल पर बाल होते हैं?

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

क्र.सं.	बच्चे देनेवाले	अंडे देनेवाले
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		

(iii) क्या जो जानवर अंडे देते हैं उन सभी के कान बाहर दिखाई देते हैं?

(iv) क्या जो जानवर बच्चे देते हैं, उन सभी के कान बाहर नहीं दिखाई देते हैं?

जो जीव बच्चे देते हैं, उनके शरीर पर बाल होते हैं और कान भी बाहर दिखाई देते हैं। अंडे देनेवाले जानवरों के शरीर पर बाल नहीं होते और उनके कान बाहर नहीं दिखते हैं।

7. अपने घर या आस–पास पाले जानेवाले किसी एक जानवर के बारे में निम्नलिखित बातें पता कीजिए–

(i) जीव का क्या नाम है?

(ii) वह क्या–क्या खाना पसंद करता है?

(iii) उस दिन में कितनी बार खाना दिया जाता है?

(iv) उसके सोने का समय क्या है? वह कितने देर के लिए सोता है?

(v) उसका ध्यान कैसे रखा जाता है?

(vi) क्या उसे गुस्सा आता है? कैसे पता चलता है कि वह गुस्से में है?

(vii) उसकी खाल पर बाल हैं या पंख?

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

(viii) उसके कान दिखाई देते हैं या नहीं?

____

(ix) यह बच्चा है या बड़ा?

____

(x) यह बच्चे देता है या अंडे?

____

(xi) क्या उसके बच्चे हैं?

____

(xii) आज अपने पालतू जीव का चित्र बनाइए और उसमें रंग भरिए। उसका एक बढ़िया-सा नाम रखिए।

© BSTBPC
WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

पाठ 4

त्योहार और भोजन

1. नीचे कुछ त्योहारों के चित्र बने हैं। प्रत्येक के नीचे उनका नाम लिखिए।

____

____

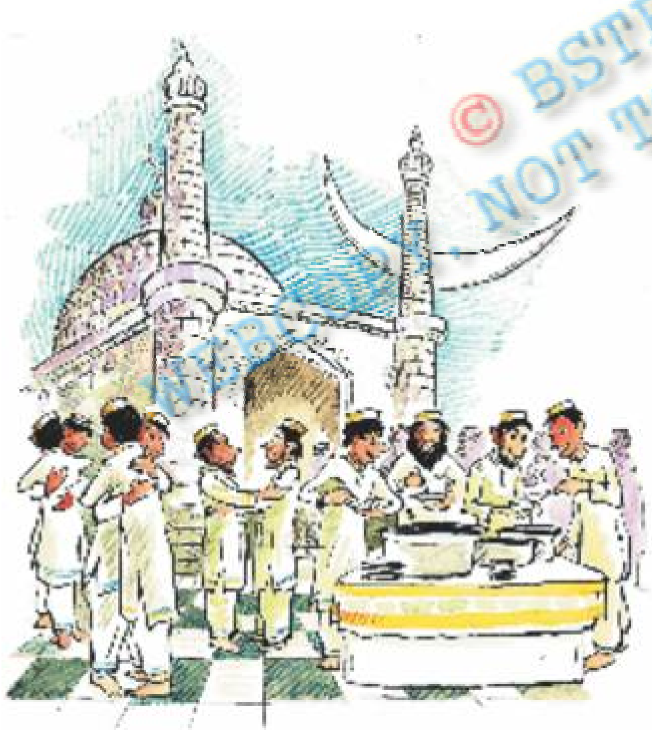

____

____

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

2. इन त्योहारों के अलावा भी बहुत सारे क्षेत्रीय पर्व और त्योहार होते हैं, जिनको लोग मिल–जुलकर मनाते हैं। आपके यहाँ और कौन–कौन से त्योहार मनाए जाते हैं?

_____________ _____________ _____________

_____________ _____________ _____________

तरह–तरह के पकवान

प्रत्येक पर्व त्योहार के मौके पर खास तरह के पकवान बनाए जाते हैं। सब मिलकर साथ में खाना खाते हैं। नए–नए कपड़े व तरह–तरह के पकवानों का पूरा मज़ा तो आप लोग उठाते हैं।

3. आपको कौन सा त्योहार सबसे अच्छा लगता है? इस दिन घर में कौन–कौन से पकवान बनाए जाते हैं?

____

____

4. नीचे सारणी में कुछ पकवानों के नाम दिए गए हैं। आपको बताना है कि ये पकवान किस त्योहार पर बनाए व खाए जाते हैं?

क्र.सं.	पकवान	त्योहार
1.	पुआ	
2.	सत्तू	
3.	लड्डू, धान का लावा	
4.	दही, चूड़ा, तिलकुट	
5.	रोट–मलीदा	
6.	केक	
7.	खिचड़ी	
8.	हलवा	
9.	गडुआ की रोटी	
10.	झिंगनी की तरकारी	

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

भोज–भात

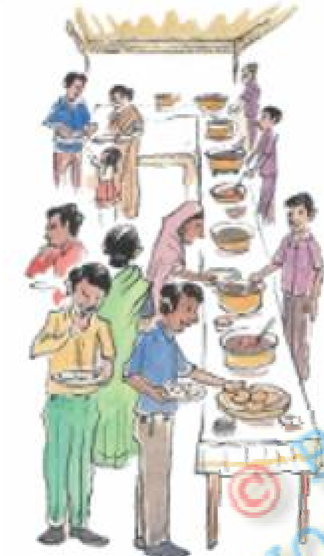

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

5. शादी–विवाह में भी तरह–तरह के पकवान बनते हैं। आप भी किसी शादी–विवाह में गए होंगे। वहाँ आपने क्या–क्या खाया?

______________ ______________ ______________

______________ ______________ ______________

6. घर में, घर के सदस्य मिलकर खाना बनाते हैं। शादी–विवाह या भोज–भात में भोजन कौन–कौन बनाता है?

____

____

7. इतने लोगों को भोजन एक साथ कैसे खिलाया जाता है?

____

____

____

8. जूठे बर्तनों की साफ–सफाई कौन करता है?

————————————————————————————————————

————————————————————————————————————

विद्यालय में भोजन

9. क्या आपके विद्यालय में भी एक साथ भोजन कराया जाता है? अगर हाँ, तो बताइए–

(i) आप विद्यालय में किस समय भोजन करते हैं? ——————————————

————————————————————————————————

(ii) आपके विद्यालय में भोजन कौन बनाता है ? ——————————————

————————————————————————————————

(iii) आपके विद्यालय में भोजन कैसे परोसा जाता है ? ——————————

————————————————————————————————

————————————————————————————————

(iv) आपके विद्यालय में किस दिन कौन–कौन सा भोजन परोसा जाता है?

क्र.सं.	दिन	खाने की चीज
1.	सोमवार	
2.	मंगलवार	
3.	बुधवार	
4.	बृहस्पतिवार	
5.	शुक्रवार	
6.	शनिवार	

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

VKIDS FOKY; ESA NKSIGJ DK HKKSTU FEYRK GKSXKA DQN ,SLS HKH VKOKLH; FOKY; GSA] TGK CPPS JGDJ I<RS GSAA MUDS LQCG& KKE]

10. (i) क्या आपके आस–पास कोई आवासीय विद्यालय है? ——————————

(ii) आपस में चर्चा करके लिखिए कि आवासीय विद्यालयों में भोजन की व्यवस्था किस प्रकार की जाती है?

____

____

____

पटना साहिब हर मंदिर का चित्र

लंगर खाते भक्त

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

सिक्खों के पूजन स्थल को गुरुद्वारा कहा जाता है। पटना साहिब में जहाँ सिक्खों के दसवें गुरु "गुरु गोविन्द सिंह" का जन्म हुआ था, वहाँ एक बहुत बड़ा गुरुद्वारा है, जो तख्त हरमंदिर साहिब कहलाता है। यहाँ सभी श्रद्धालु भक्तों के लिए भोजन की व्यवस्था होती है, जिसे लंगर कहा जाता है। लंगर में सभी लोग एक–साथ बैठकर भोजन करते हैं। भोजन सामग्री लाने, धोने, काटने, पकाने एवं परोसने का काम सभी मिलकर करते हैं। बर्तनों की सफाई का कार्य भी लोग स्वयं ही करते हैं। लंगर की पूरी व्यवस्था लोगों के सहयोग पर आधारित होती है।

पाठ 5

स्वाद अलग-अलग

खाने की चीज़ें कई प्रकार की होती हैं। इनके स्वाद भी अलग-अलग होते हैं। कुछ खाने की चीज़ें मीठी होती हैं तो कुछ तीखी।

1. नीचे कुछ चीज़ों के नाम दिए गए हैं, उनके स्वाद बताइए–

क्र.सं.	खाने की चीज़ें	स्वाद
1.	जलेबी	
2.	अचार	
3.	लड्डू	
4.	कचौड़ी	
5.	मिर्च	
6.	करैला	
7.	आँवला	
8.	इमली	

© BSTBPC
WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

2. मुँह के किस अंग की वजह से हमें वस्तुओं का स्वाद पता चलता है? उस अंग का नाम लिखिए और उसका चित्र बनाइए।

____

3. (i) जीभ को दाँत से सटाकर 'रसगुल्ला' शब्द बोलिए। क्या आप रसगुल्ला शब्द सही से बोल पाए?

____

(ii) स्वाद की पहचान के अलावा जीभ हमारे और किस–किस काम में मदद करती है?

____

4. हम लोग भोजन चूसकर, चबाकर तथा निगलकर करते हैं, लेकिन पशु–पक्षी अपना भोजन किसी एक खास तरीके से ही करते हैं। नीचे कुछ जीवों के नाम दिए गए हैं। आप इन्हें सारणी के अनुसार छाँटिए।

हिरण, तितली, मेढ़क, बकरी, कुत्ता, मक्खी, शेर, घोड़ा, गधा, मच्छर, भैंस, मोर, खरगोश, मछली, साँप, खटमल, छिपकिली, मुर्गा

क्र.सं.	चबाकर भोजन करनेवाले	चूसकर भोजन करनेवाले	निगलकर भोजन करनेवाले
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			
7.			

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

दाँत बत्तीसी

कल मैं रोहित से बोली,
आँख मींच और मुँह खोल,
उसने सोचा मन-ही-मन,
आता है लड्डू मुँह में गोल
मैंने झटपट गिन डाले,
उसके मुँह के सारे दाँत ।
और बनावट देख के उनकी,
फिर बोली मैं अपनी बात।

VKB, ! DQN DJ DS NSF[K,A

- बिना दाँतों को काम में लाए रोटी खाकर देखिए।
- सिर्फ पीछे के दाँतों से गाजर/मूली/सेब काटकर देखिए।
- बिल्कुल सामनवाले दाँतों से गन्ने को छीलकर देखिए ।

5. अगर आपके मुँह में दाँत न हों तो क्या होगा?

----

6. आप भी अपने साथी के दाँतों को देखिए और बताइए–

(i) क्या सभी दाँत एक जैसे दिखाई दे रहे हैं?——————————————

(ii) हमारे मुँह में कुछ दाँत हमें खाने की चीज़ों को काटने में मदद करते हैं, कुछ छीलने में और कुछ चबाने में। चित्र में तीनों तरह के दाँतों की पहचान कीजिए।

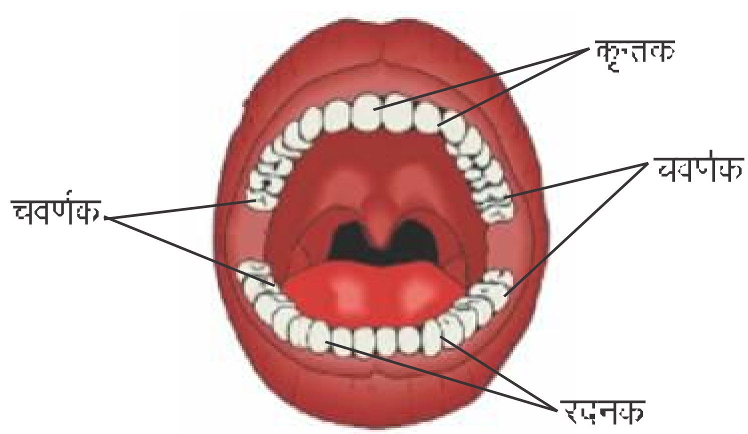

WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED © BSTBPC

(iii) पिछले पृष्ठ पर बने चित्र में अलग–अलग तरह के दाँतों की संख्या पता लगाइए और सारणी में भरिए ।

काटनेवाले दाँत	छीलनेवाले दाँत	चबानेवाले दाँत
----------	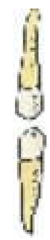 ----------	----------

(iv) क्या आपके चबानेवाले सभी दाँत एक जैसे हैं या अलग–अलग?

----

7. बताइए–

क्र.सं.	प्रकार	इनसे क्या–क्या खाते हैं?
1.	काटनेवाले दाँत	
2.	चबानेवाले दाँत	
3.	छीलनेवाले दाँत	

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

विभिन्न प्रकार के दाँतों के अलग–अलग नाम होते हैं।

काटनेवाले दाँत	**कृन्तक (इनसाइजर)**
छीलनेवाले दाँत	**रदनक (केनाइन)**
चबानेवाले दाँत	**चवर्णक (मोलर)**

8. कौन सा दाँत किस औज़ार की तरह काम करता है?

पिलास की तरह --

खरल की तरह --

कैंची की तरह --

9. (i) दाँत हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। क्या इनकी संख्या बच्चे और बड़े में एक समान रहती है या अंतर रहता है? ________________________

(ii) अलग–अलग उम्र में दाँतों की संख्या पता लगाइए।

उम्र	दाँतों की संख्या
6 माह का बच्चा / बच्ची	
2–3 वर्ष का बच्चा / बच्ची	
8–9 वर्ष का बच्चा / बच्ची	
21 साल से ऊपर	

10. जन्म के बाद आनेवाले दाँत को क्या कहा जाता है?

____

11. (i) क्या आपके दाँत गिरे हैं? क्या इनकी जगह नए दाँत आ गए?

____

(ii) अपने दादा–दादी से पता कीजिए कि अगर उनके दाँत टूटते हैं, तो क्या वे वापस आ जाते हैं?

____

12. भोजन चबाने में दाँत और उसका स्वाद लेने के लिए जीभ की आवश्यकता होती है। अगर दाँत गंदे हों तो कई तरह की बीमारियाँ हो सकती हैं। इन्हें नियमित रूप से साफ करना आवश्यक है। आप अपने दाँतों की सफाई कैसे करते हैं?

____

____

____

© DSTBPC
WEBCOPY - NOT TO BE PUBLISHED

जिस तरह हमारे दाँत होते हैं, उसी तरह जानवरों के भी दाँत होते हैं। उनके दाँत भी गिरते हैं। कुछ जानवरों जैसे घोड़ा और शेर के भी दाँत मनुष्य की तरह एक बार गिरते हैं और उनकी जगह फिर नए दाँत आते हैं। लेकिन साँप और मगरमच्छ अपने जीवन में कई बार दाँत बदलते हैं।

पाठ 6

हरियाली और हम

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

यह माला का गाँव है। चारों तरफ हरियाली ही हरियाली है। माला को अपना गाँव बहुत अच्छा लगता है। माला के गाँव में बहुत सारे बाग–बगीचे और पेड़–पौधे हैं।

1. आपने जिन–जिन पेड़–पौधों को देखा या सुना है, उनके नाम लिखिए।

____

____

2. इनमें से उन पेड़–पौधों के नाम छाँटिए जो आपके घर या आस–पास उगते हैं तथा वे जो जंगल में उगते हैं।

(i) घर या आस–पास उगनेवाले ______________________

____

(ii) जंगल में उगनेवाले ______________________

____

3. पेड़–पौधे चाहे घर के आस–पास हों या जंगल में, हमारे लिए बहुत उपयोगी होते हैं। आपके अनुसार पेड़–पौधों की हमारे लिए क्या उपयोगिता होती है?

____

____

4. पेड़–पौधों की उपयोगिता के अनुसार नीचे बनी सारणी भरिए।

क्र.सं.	उपयोग	पेड़–पौधों के नाम
1.	इमारती लकड़ी	
2.	साग–सब्ज़ी	
3.	अनाज व दाल	
4.	तेल	
5.	औषधि	
6.	फल	
7.	फूल	

5. हमने समझा कि पेड़–पौधे हमारे लिए बहुत उपयोगी हैं। इनसे हमें अनेक दैनिक जरूरत की चीज़ें प्राप्त होती हैं। अब जरा सोचिए और बताइए–

(i) अगर पेड़–पौधे नहीं होते तो क्या–क्या होता?

____

____

(ii) क्या पेड़–पौधों के बिना हम रह सकते हैं?

____

____

(iii) क्या पेड़–पौधे हमारे बिना रह सकते हैं? यदि हाँ तो कैसे?

____

____

____

6. अपने घर या विद्यालय के आस–पास मिलनेवाले किसी एक पेड़ के बारे में पाँच वाक्य लिखिये उस पेड़ का चित्र बनाकर उसके विभिन्न हिस्सों के नाम दर्शाइए।

____

____

____

© BSTBPC
WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

____

____

7. किन्हीं तीन पेड़-पौधों के नाम बताइए-

(i) जिनमें काँटे होते हैं ____________ ____________ ____________

(ii) जो खूब छाया देते हैं ____________ ____________ ____________

8. नीचे बने चित्रों में क्या हो रहा है?

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

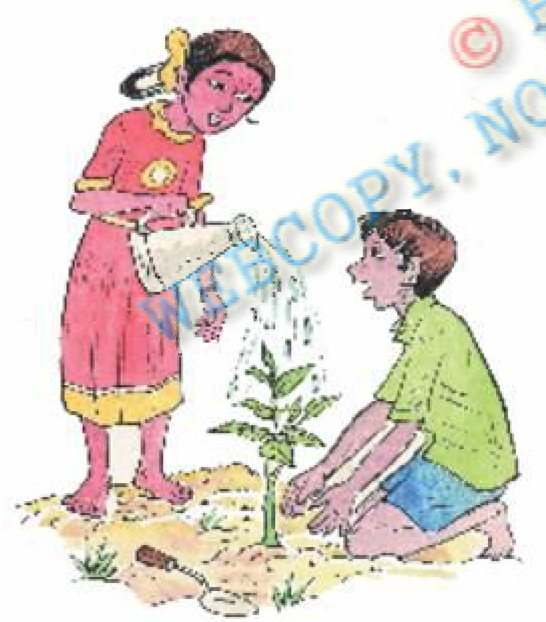

____

____

____

9. ज़रूरत से ज़्यादा पेड़ काटने से क्या–क्या हानियाँ होती हैं?

पेड़ों से दोस्ती

बात करीब तीन सौ साल पुरानी है। राजस्थान के खेजड़ली गाँव की एक लड़की थी, अमृता। उसके गाँव में खेजड़ी के बहुत पेड़ थे, जिसकी छाया में अमृता अपने साथियों के साथ खेलती थी। खेजड़ी की फलियों की सब्जी बनती है तथा इसकी छाल दवा के काम आती है।

समय बीतता गया, अमृता बड़ी हो गयी। एक दिन वह अपने पेड़ों के बीच खेल रही थी। तभी उसने देखा कि कुछ अनजान लोग कुल्हाड़ी लेकर चले आ रहे हैं। पता चला कि राजा का महल बन रहा है जिसके लिए लकड़ियों की जरूरत है। वे लोग राजा के आदमी हैं तथा लकड़ियाँ लेने आए हैं। उनलोगों ने लकड़ियाँ काटने का प्रयास किया तो अमृता ने इसका विरोध किया। वह पेड़ से लिपट गई। राजा के आदमियों ने क्रोधित होकर कुल्हाड़ी से अमृता पर वार कर दिया। अमृता के पैर कट गए लेकिन वह पेड़ को अपने हाथों से जकड़ी रही। पेड़ को बचाने के लिए अमृता द्वारा किये गए साहस पूर्ण प्रतिरोध ने गाँव वालों को झकझोर कर रख दिया। देखते–ही–देखते गाँव वाले पेड़ों को कटने से बचाने के लिए एकजुट हो गये। सभी लोग पेड़ों से लिपट गये। राजा के आदमियों ने आवेश में आकर पेड़ से लिपटे हुए गाँव वालों पर अंधाधुंध वार करना शुरू कर दिया। लगभग तीन सौ गाँव वाले मारे गए। पेड़ों के प्रति लोगों का प्यार और बलिदान को देख कर राजा पर गहरा असर हुआ। उसने आदेश दिया कि इस इलाके में कभी कोई पेड़ नहीं काटेगा और न ही कोई शिकार करेगा। यहाँ के लोग आज भी पेड़ों और जानवरों की रक्षा करते हैं। रेगिस्तान में होते हुए भी यह इलाका हरा–भरा है।

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

पाठ 7

जड़ों की पकड़

सलिल, समीर और पिंकी प्रतिदिन छुट्टी के बाद एक ठूँठ पीपल के पेड़ के नीचे खेलते थे। एक दिन वे उस ठूँठ पीपल के पेड़ को देखकर सोचने लगे– आखिर इस पेड़ की हालत ऐसी क्यों हो गयी? इसके बारे में उन्होंने गाँव के एक बुजुर्ग व्यक्ति रामू काका से पूछ–ताछ की।

रामू काका ने बताया– यह पेड़ करीब 60 वर्ष पुराना है। कभी यह बहुत हरा–भरा था। तेज आँधी ने भी नहीं उखड़ा। बाद में लोगों द्वारा भिन्न–भिन्न कार्यों के लिए मिट्टी निकाल लेने के कारण इसकी जड़ें जमीन के ऊपर आ गई हैं। जिससे इस पेड़ को पानी ठीक से नहीं मिल रहा है। इसकी जड़ों को मिट्टी से ढँकने और पानी पटाने की जरूरत है।

रामू काका की बातें सुनकर सलिल और उसके साथियों ने पीपल की खुली जड़ों में मिट्टी डालकर उसे ढँक दिया और रोज पानी पटाने लगे। कुछ ही दिनों में पीपल में नई जिन्दगी आ गई। सभी मोटी–पतली ठूँठ शाखाओं में नई–नई कोपलें निकल आईं और बूढ़ा पीपल फिर से हरा–भरा होकर लहराने लगा।

1. आपके आस–पास ऐसे बहुत से पेड़ होंगे, उन्हें आप कैसे बचाएंगे?

____

____

____

____

2. आप अपने घर के आस–पास किन पौधों को नियमित रूप से पानी पटाते हैं?

____

____

____

____

3. क्या सभी पेड़ों की जड़ें होती हैं?

____

4. अगर पौधों की जड़ों में पानी न दें तो क्या होगा?

____

____

5. पौधों को पानी कहाँ से और कैसे मिलता है?

____

____

आइए, इसे जानने के लिए एक प्रयोग करें–

शीशे का दो गिलास लीजिए। एक गिलास के आधे भाग में लाल रंगीन पानी तथा दूसरे गिलास के आधे भाग में नीला रंगीन पानी डालिए।

WEBCOPY BSTBPC NOT TO BE PUBLISHED

अब दोनों पानी से भरे गिलासों में एक–एक मुलायम तनेवाले पौधे जड़ सहित उखाड़कर डाल दीजिए। तीन–चार घंटे के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दीजिए।

6. अब दोनों पौधों की पत्तियों को ध्यान से देखिए और बताइए क्या हुआ?

____

____

____

____

____

7. दोनों पौधों के तने को बीच में से काटकर देखिए।

बताइए कि इसमें पानी चढ़ा या नहीं? आपने कैसे पता लगाया?

____

____

8. पत्तियों की नसों में रंगीन पानी कैसे पहुँचा होगा? सोचकर बताइए।

____

____

9. इस प्रयोग को करने के बाद बताइए कि पेड़–पौधे पानी कैसे ग्रहण करते हैं?

____

____

____

____

© BSTBPC
WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

अब आप समझ गए होंगे कि जड़ पौधों का पानी पहुँचाने का कार्य करती है। लेकिन क्या जड़ों का कोई और भी काम है। आइए, एक प्रयोग से हम समझने की कोशिश करते हैं।

वर्ग में तीन या चार बच्चों के समूह में बँट जाइए। इन चीज़ों को इकट्ठा कीजिए–

प्लास्टिक गिलास, कुछ दाने–मूँग, गेहूँ, धान, सरसों या चना।

एक ही तरह के (5–6) बीजों को एक कटोरी पानी में डालकर रात भर के लिए छोड़ दीजिए। दूसरे दिन प्लास्टिक के चौड़े मुँहवाले गिलास लीजिए। इसमें मिट्टी भरकर बीजों को डालिए और ऊपर से कुछ मिट्टी डाल दीजिए। फिर उस पर जल का छिड़काव कीजिए।

ध्यान रखिए कि मिट्टी गीली रहे। इसे पांच छह दिनों तक रोज देखिए कि बीजों से क्या–क्या निकलता हुआ दिखाई दे रहा है? आप अपनी कॉपी पर इसका चित्र बनाइए, इसके बारे में लिखिए और बताइए–

10. जड़ किस तरफ उगी और तना किस तरफ उगा? लिखिए।

____

____

11. अंतिम दिन इन पौधों को मिट्टी से अलग करने की कोशिश कीजिए। क्या अलग करने में कठिनाई हुई? जरा सोचिए ऐसा क्यों हुआ?

____

____

12. इनकी जड़ों का जाल कैसा है, इसका चित्र बनाइए।

आपके घर या विद्यालय के बाग–बगीचे में अक्सर जंगली व घास के पौधे उग आते होंगे, जिनकी हमें निकौनी करनी पड़ती है। ऐसे किसी जंगली पौधे व घास के आस–पास की मिट्टी को गीला करके इन्हें उखाड़िए और बताइए–

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

13. क्या पौधा पूरे जड़ के साथ उखड़ गया या जड़ का कुछ हिस्सा जमीन में ही रह गया?

____

____

14. गीली मिट्टी से घास आसानी से उखड़ गया या कुछ जोर लगाना पड़ा?

____

____

15. क्या आपको घास की जड़ें निकालने के लिए खुरपी की आवश्यकता हुई?

____

____

16. जंगली पौधे के उखाड़ने में आपको कितना जोर लगाना पड़ा? क्यों।

____

____

____

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

17. आप मूली और गाजर की जड़ों को प्रायः उखाड़ते हैं? मूली की जड़ों को खींचकर उखाड़ने के दौरान भी आपको ऐसी ही कठिनाई होती है क्या?

____

____

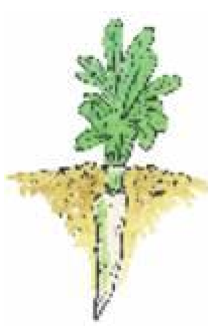

मूली का पौधा

घास

18. घास और मूली की जड़ों के चित्र देखिए। इनमें क्या अंतर है?

---

19. घास और मूली के पौधों को जमीन से उखाड़ने पर कौन आसानी से उखड़ेगा और क्यों?

---

20. पीपल, नीम, बरगद आदि के पुराने पेड़ आँधी के बावजूद आसानी से क्यों नहीं उखड़ते हैं?

© WBSBE
WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

क्या आप जानते हैं?

ऑस्ट्रेलिया में 'रेगिस्तानी ओक' नामक एक पेड़ पाया जाता है। इस पेड़ की ऊँचाई आपके कमरे की दीवार के लगभग होती है और पत्तियाँ बहुत ही कम। यह पेड़ ऊपर जितना दिखाई देता है, इससे तीस गुना इसकी जड़ें जमीन में गहराई तक जाती हैं। इसकी जड़ें जब तक पानी तक नहीं पहुँचती, तब तक बढ़ती रहती हैं। पानी जड़ से होकर पेड़ के तने में जमा होता है। जब कभी इस इलाके में पानी नहीं होता तो यहाँ के लोग इसके तने के अन्दर पाइप डालकर पानी निकाल लेते हैं।

आपने देखा कि बहुत सी जड़ें जमीन में गहराई तक बढ़ती चली जाती हैं, जिससे पेड़–पौधे सीधे खड़े रहते हैं और अपना पानी ग्रहण करते हैं।

क्या आप जानते हैं कि बहुत सी जड़ें खायी भी जाती हैं।

21. अपने शिक्षक के साथ चर्चा करके खायी जानेवाली जड़ों की सूची बनाइए।

अरे जड़ें ऐसी भी!

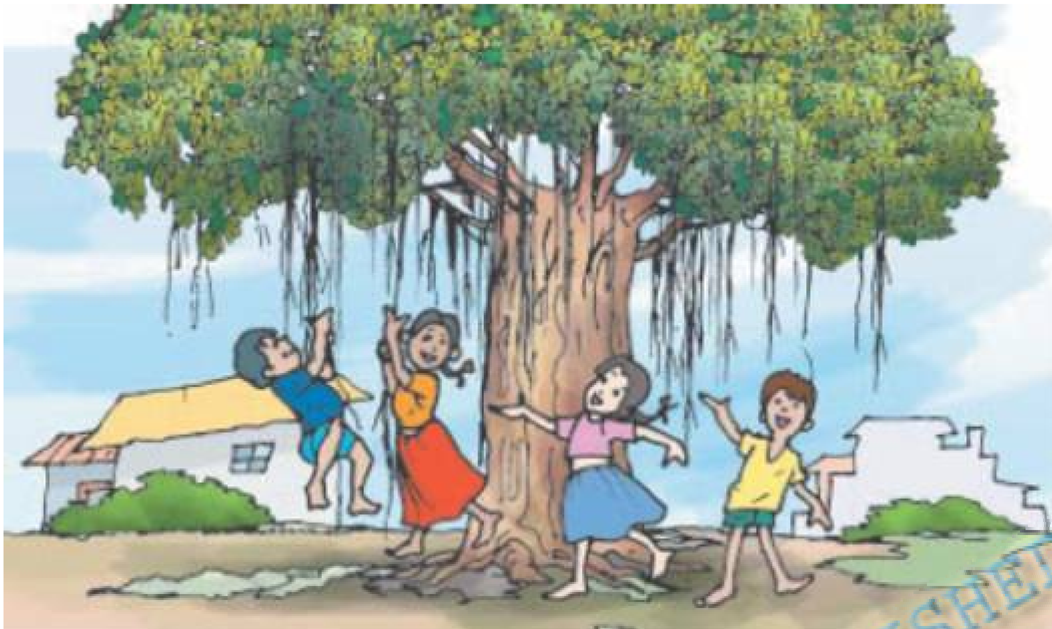

22. चित्र में बच्चे क्या कर रहे हैं?

____

23. यह पेड़ कौन–सा है ?

____

24. क्या आप कभी ऐसा झूला झूले हैं?

____

25. अपने शिक्षक से पता कीजिए कि ये लटकन पेड़ का कौन–सा भाग हैं?

____

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

मिट्टी के भीतर हैं जकड़ीं,
पादप की आधार जड़ें,
पानी हरदम चूसा करतीं,
पौधों की है जान, जड़ें,
गाजर, मूली, शलजम में,
भोजन का भंडार जड़ें,
राज किया करती पेड़ों में,
जीवन का संचार जड़ें,
मिट्टी के भीतर है जकड़ीं,
पौधों की हैं जान, जड़ें।

पाठ 8

देखो तमाशा

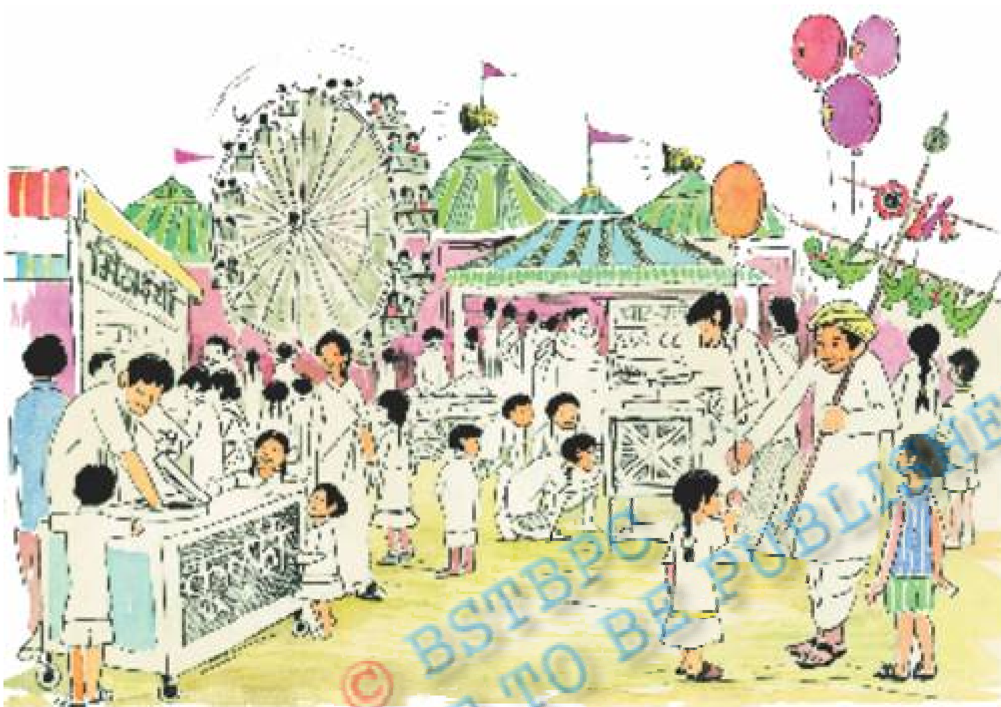

चलो–चलो जी हम सब मिलकर
देखने जाएँ मेला
भीड़ बहुत है जहाँ भी देखो
है लोगों का रेला।
तरह–तरह के स्वादवाले
पकवानों के ढेर लगे
लार टपकने लगती है जी
भरे पेट भी भूख जगे।
झूला झूलो दस रुपए में
पाँच रुपए में गुब्बारे
पैसे देकर करतब देखो
जोकर लगते प्यारे।

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

1. क्या आप कभी मेले में गये हैं? वहाँ आपने क्या–क्या किया?

____

____

2. आपको सबसे अच्छा मेला कौन सा लगता है? और क्यों?

____

____

आज बच्चों के बीच काफी चहल–पहल है। मध्याह्न भोजन के बाद विद्यालय में एक फिल्म 'तारे जमीं पर' दिखाई गई। सभी बच्चों ने फिल्म का आनंद उठाया। आपने भी फिल्में देखी होंगी।

3. आपको किस तरह की फिल्में अच्छी लगती हैं? अपनी कुछ मनपसंद फिल्मों के नाम लिखिए।

____

____

____

____

____

© BSTBPC WEBCOPY: NOT TO BE PUBLISHED

हम कई तरह से अपना मन बहलाते हैं। कभी मेला देखने जाते हैं तो कभी फिल्म देखते हैं। इसी तरह कुछ लोग पतंग उड़ाकर भी अपना मन बहलाते हैं।

4. आप अपनी पसंद की पतंग का चित्र बनाइए। उसमें रंग भी भरिए।

5. पतंग उड़ाने के लिए किन–किन चीज़ों की ज़रूरत होती है?

____

____

6. पतंग पूरे भारत में विभिन्न अवसरों पर उड़ाई जाती है। आप कब-कब पतंग उड़ाते हैं?

----

7. भारत के अलग-अलग राज्यों में किन-किन अवसरों पर पतंग उड़ाई जाती है? पता लगाइए।

क्र.सं.	राज्यों के नाम	अवसर
1.	राजस्थान	मकर-संक्रान्ति
2.	बिहार	
3.	दिल्ली	

8. हम कई तरह से अपना मनोरंजन करते हैं। कभी हम दोस्तों के साथ खेल खेलते हैं तो कभी बड़ों के साथ कहीं बाहर जाते हैं। आप अपने मनोरंजन के लिए क्या-क्या करते हैं?

दोस्तों के साथ ---

बड़ों के साथ ---

----

9. खेल-तमाशे और मनोरंजन के विभिन्न साधनों से हमें क्या फायदे होते हैं?

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

परियोजना कार्य

रंगीन कागज और कमाची की सहायता से आप भी अपनी पतंग बनाकर उड़ाइए।

पाठ 9

जब मामाजी घर आए

WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

आज रक्षाबंधन **है। कुंदन** और वंदना नए कपड़े पहने हैं। बनारस से उनके मामा आनेवाले हैं। माँ, उनको **राखी** बाँधेगी।

मामाजी आए। सभी बच्चे मामाजी को घेरकर बैठ गए। माँ, बहुत खुश थीं, बोलीं— ''माँ और पिताजी कैसे हैं''?

मामाजी बोले—''माँ–पिताजी अभी बनारस में हैं और अच्छे हैं। फसल कटने के समय गाँव गए थे।''

तभी कुंदन बोल पड़ा—''पिछले वर्ष की गर्मी की छुट्टियों में जब मैं गाँव गया था तो बगीचे में बहुत सारे आम थे।''

मामाजी ने बताया—''इस बार आम नहीं के बराबर लगे थे। कुछ पेड़ आँधी में गिर भी गए''।

आपस में चर्चा कीजिए :

1. कुन्दन की माँ का बचपन कहाँ बीता होगा?

2. अपनी माँ बचपन में किन–किन लोगों के साथ रहती होगी?

3. आपकी माँ, अपने पिताजी के संग रहने के लिए किस प्रकार आई होगी?

सोचिए और लिखिए

4. कुन्दन के मामाजी गाँव में न रहकर बनारस में रहते हैं। क्यों?

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

5. आपके परिवार के कौन–कौन से सदस्य पहले आपके साथ रहते थे, जो आज नहीं रहते हैं? अब वे कहाँ रहते हैं और इसके क्या कारण हो सकते हैं?

क्र.सं.	सदस्य का नाम	अब कहाँ रहते हैं	कारण
1			
2			
3			
4			

पिताजी मामाजी से बातें करने लगे। मामाजी ने बताया –"अंजली दीदी की ननद मेघना के बी.ए. पास करते ही बड़े धूमधाम से शादी हो गई। लड़के वाले मुंगेर के रहने वाले हैं। दूल्हा–दुल्हन की जोड़ी बहुत सुन्दर लग रही थी। सभी लोग प्रसन्न थे। आप लोग नहीं आए। आप लोगों की कमी खल रही थी। सभी लोग आपको याद कर रहे थे।" माँ ने कहा– " बच्चों की परीक्षाएँ चल रही थीं इस लिए नहीं आ पाई "।

बताइए.............

6. शादी के बाद मेघना कहाँ रहेगी?

____

____

____

____

____

7. मेघना को वहाँ किन–किन रिश्तों से जाना जाएगा?

____

____

____

____

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

8. आप अपने परिवार के निम्न सदस्यों से पूछकर पता लगाइए कि वे अपनी शादी के पहले कहाँ और किनके साथ रहते थे?

क्र.सं.	रिश्तेदारों का नाम	शादी से पहले का निवास	किनके संग
1	माँ		
2	बुआ		
3	चाचा		
4	चाची		
5	पिताजी		

शिक्षक की सहायता से पता लगाइए

9. शादी के समय मघना और उसके दूल्हे की उम्र कितनी रही होगी?
   मेघना ———————— वर्ष   दुल्हा ———————— वर्ष
10. जब आपके माता पिता की शादी हुई होगी तब उनकी उम्र कितनी रही होगी?
   माँ ———————— वर्ष   पिता ———————— वर्ष
11. आपकी दादी और नानी की शादी किस उम्र में हुई होगी?
   दादी ———————— वर्ष   नानी ———————— वर्ष
12. कानूनन लड़का और लड़की की शादी की उम्र कितनी है?
   लड़का ————————वर्ष   लड़की ———————— वर्ष

मामाजी और पिताजी बात कर रहे थे तभी दादाजी आ गए। मामाजी ने उनका अभिवादन किया।

आशीर्वाद देते हुए दादाजी ने पूछा—बताइए, नौकरी कैसी चल रही है?

मामाजी ने बताया—मेरी बदली हैदराबाद हो गई है।

दादा जी आश्चर्य से बोल पड़े—इतनी दूर जाओगे।

मामाजी बोले—जाना तो होगा ही, ऊँचे पद पर **जाने का मामला है।**

मामाजी ने फिर बताया कि वे पहले नये **शहर अकेले ही जाएँगे। मामी** और नेहा बाद में जाएगी। नाना—नानीजी अपने गाँव से बहुत **दूर नहीं जाना चाहते हैं।** इसलिए वे गाँव में ही रहेंगे। नेहा थोड़ी उदास है, क्योंकि उसके सारे दोस्त **बनारस में रह** जाएँगे।

© RSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

जरा सोचिए और बताइए।

13. नेहा के घर में **अब कौन—कौन** लोग रह जाएँगे?

____

____

14. क्या **नेहा** के दोस्त बदल जाएँगे?

____

15. क्या नेहा का स्कूल भी बदल जाएगा?

____

16. आपके परिवार के सभी सदस्य बाहर जानेवाले सदस्यों के साथ रहने के लिए नहीं जाते हैं। इसके क्या—क्या कारण हो सकते हैं?

____

____

____

____

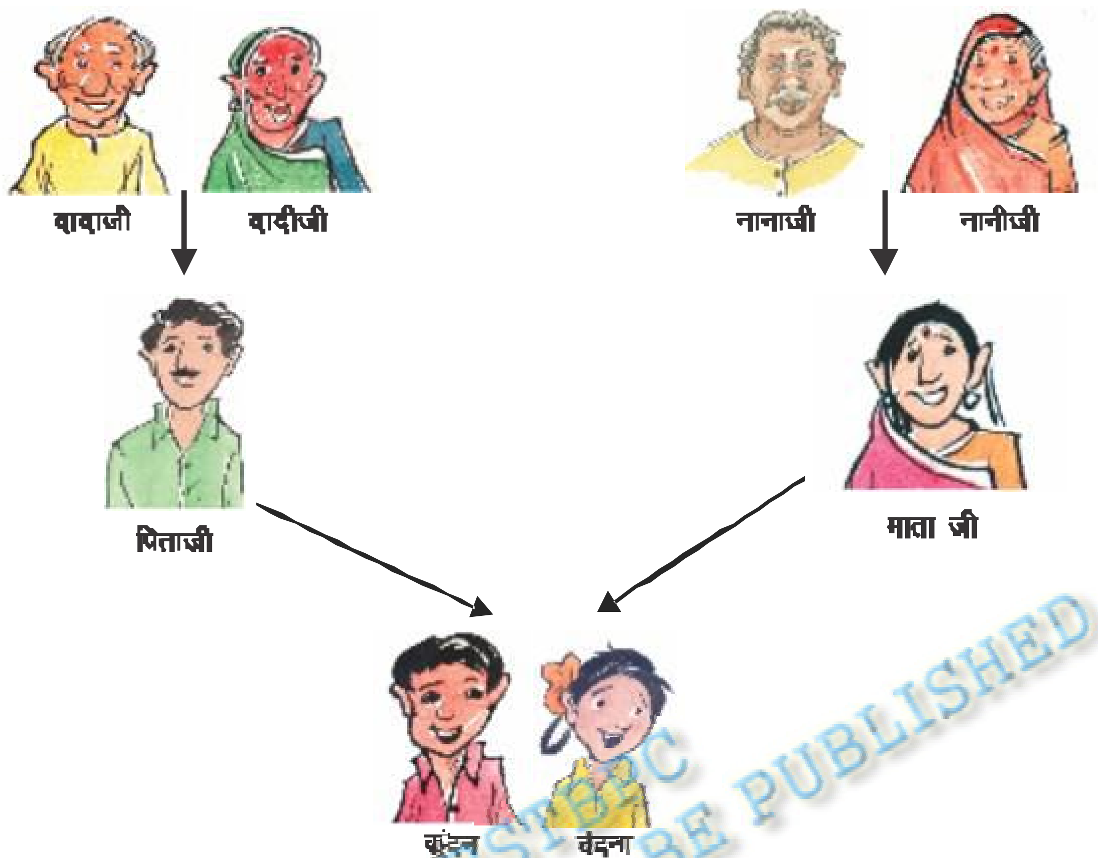

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

17. ऊपर कुंदन और वंदना के दादी एवं नानी के परिवार की छोटी सी वंशावली बनी है। आप भी अपने दादाजी के परिवार की वंशावली बनाइए।

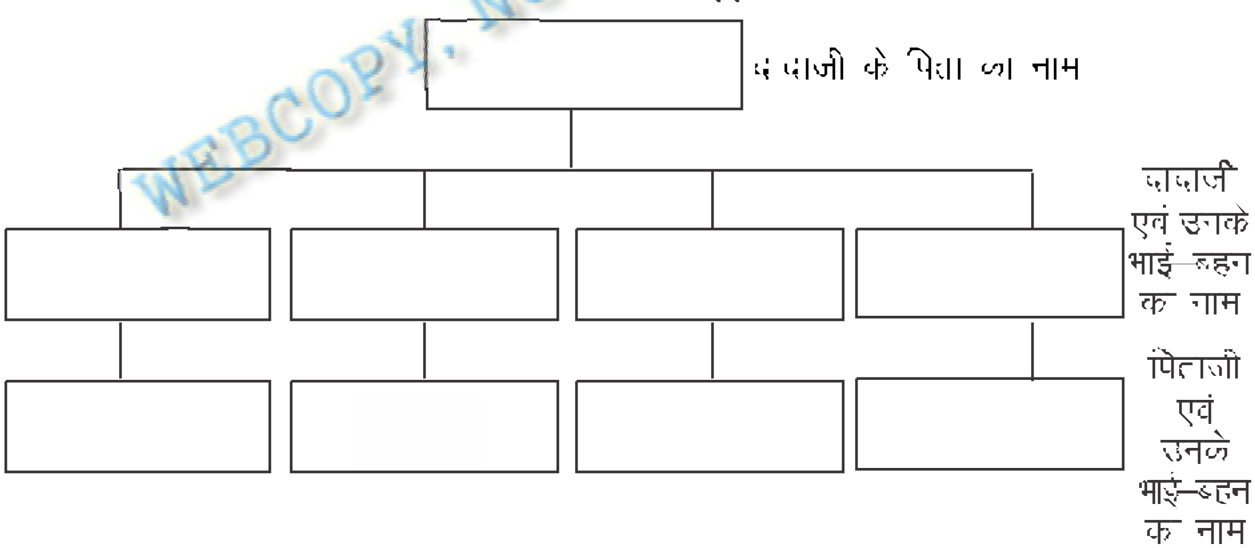

इसी प्रकार आप कॉपी में अपने नानाजी के परिवार की वंशावली बनाइए। इस वंशावली में नानाजी, उनके संतानों और आप अपने भाई–बहनों के नाम को लिखिए।

18. आपके परिवार में कौन–कौन रहते हैं?

____

19. आपके दादा–दादी और नाना–नानी कहाँ रहते हैं?

____

20. आप अपने शिक्षक/गाँव के लोगों से पूछकर पता लगाइए कि लोग एक–जगह से दूसरी जगह (स्थान–परिवर्तन) क्यों चले जाते हैं? उन कारणों को लिखिए।

_____________ _____________ _____________

_____________ _____________ _____________

_____________ _____________ _____________

21. अपने पास–पड़ोस और दोस्त के परिवार से बात कीजिए और निम्न तालिका को भरिए

क्र.सं.	प्रश्न	आपका अपना परिवार	दोस्त का परिवार	पास–पड़ोस का एक परिवार
1.	अभी परिवार में कितने लोग हैं?			
2.	परिवार में दस साल पहले कितने लोग थे?			
3.	परिवार में दस सालों में जो बदलाव हुए हैं, उनके क्या कारण हैं?			
4.	इन बदलावों से कैसा लगता है?			

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

मामाजी सभी के लिए कुछ–न–कुछ उपहार लाए थे। कुंदन के लिए नई पैंट शर्ट और चंदा के लिए फ्रॉक तो माँ के लिए सुन्दर सी साड़ी। माँ ने भी मामा के लिए पडुकिया और ठेकुआ दिया। मामाजी ने बड़ों को प्रणाम किया और लौट गए।

पाठ 10

छठ पर्व और बच्चे

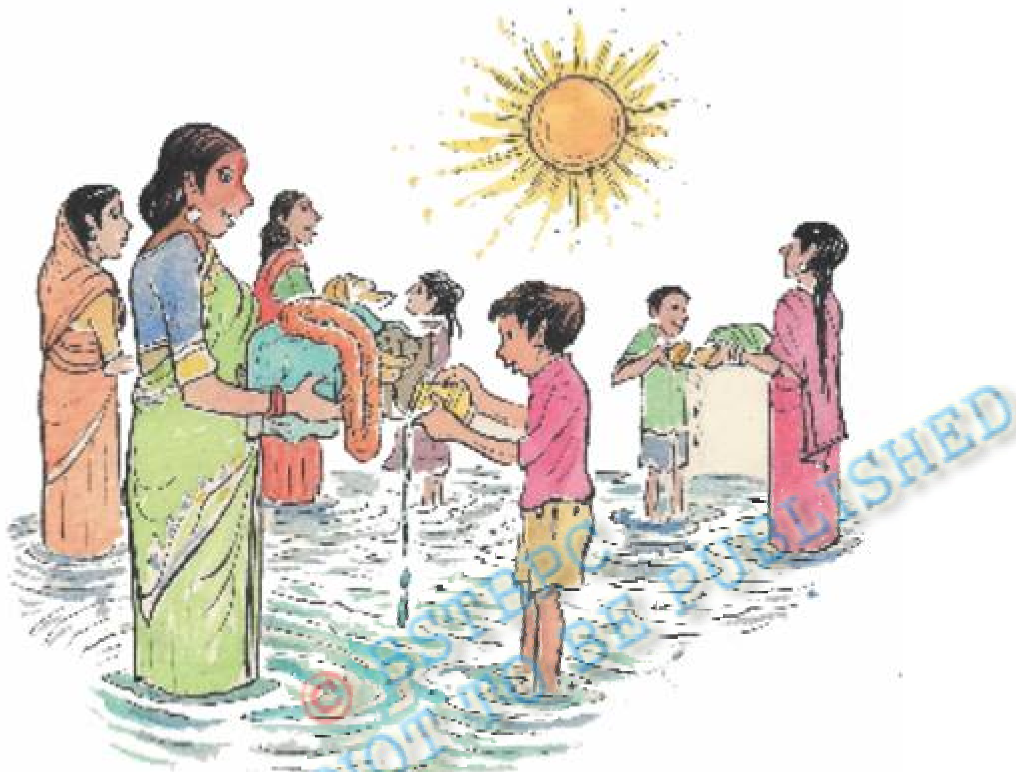

1. ऊपर बने चित्र गें **कौन सा पर्व** गनाया जा रहा है?

2. छठ पर्व कब मनाया जाता हे एवं इसमें किनकी पूजा की जाती है?

3. आपके घर मं यह पर्व कैसे मनाते हैं?

© BSTBPC WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

4. इस अवसर पर क्या बाहर में रहनेवाले परिवार के लोग भी आते हैं?

कक्षा के सभी बच्चे आपस में बातचीत कर रहे थे। शिवांगी बोली–" माँ के आग्रह पर इस बार मेरी बुआ छठ करने हमारे यहाँ आई है। माँ ने इस बार छठ नहीं की। दादी बीमार है। माँ को दादी की देखभाल करनी पड़ती है।"

तभी रमेश ने कहा–"क्या तुम अपनी माँ की मदद नहीं करती हो? मैं तो अपने माँ की कही हर बात मानता हूँ और उनके काम में मदद भी करता हूँ।"

शिवांगी बोली–"मैं भी माँ से पूछकर दादी को दवाई और पानी देती हूँ। उनके निकट बैठती हूँ और बातचीत कर उनका मन बहलाती हूँ"।

5. आप अपने से बड़ों की मदद कैसे करते हैं?

BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

यह बातचीत विकास बड़े आनंद से सुन रहा था। "पर्व–त्योहार और अन्य उत्सव हमें उत्साहित तो करते ही है; साथ–ही–साथ बहुत कुछ सिखाते भी हैं"–विकास बोला।

सुषना कहाँ चुप रहने वाली थी–"अरे! मैंने तो अपनी माँ को ठेकुआ बनाने में मदद की और इससे मुझे ठेकुआ बनाना आ गया है"।

विकास बोला–"हाँ, हाँ! मैं भी पापा के साथ बाजार गया और वहाँ हम ने सामानों की खरीददारी की"।

6. आप अपने परिवार के सदस्यों से कुछ–न–कुछ जरूर सीखते होंगे। आपने कौन–कौन सा कार्य किनसे सीखा है? उसकी एक सूची बनाइए।

क्र.सं.	कार्य जो बड़ों के साथ करते हैं या जिनमें बड़ों की मदद करते हैं	किनसे सीखा
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		

शिवांगी और रमेश की यह बातचीत कार्तिक चुपचाप सुन रहा था। शिवांगी बोली—"कार्तिक! तुम्हारे घर छठ में कौन–कौन आए"?

कार्तिक बोला—"यही तो एक पर्व ऐसा है जिसमें मेरे परिवार के सभी सदस्य चाचा–चाची, बुआ–फूफा एवं उनके बच्चे आते हैं। इस बार भी वे सभी लोग आए थे और हम सबलोगों ने खूब मजा किया। उनके चले जाने के कारण ही तो मन नहीं लग रहा है। मैं सोच रहा हूँ कि अब ऐसा कौन–सा उत्सव आएगा, जब हम सभी फिर से इकट्ठे होंगे"।

7. आपके यहाँ भी ऐसे अवसर आते होंगे, जब परिवार के सभी सदस्य एकत्रित होते होंगे। वैसे अवसरों का नाम लिखिए और इस तालिका को पूरा कीजिए।

पर्व–त्योहार	अन्य उत्सव
दुर्गा पूजा	विवाह

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

कार्तिक यह जानने के लिए बेचैन हो रहा था—"आखिर परिवार के सदस्य बाहर जाते ही क्यों हैं"?

रमेश बोला—"रुपया–पैसा कमाने के लिए और किसलिए? रुपये ही से घर बनता है, कपड़ा–पैंट आती है, इलाज होता है, भोजन मिलता है"।

शिवांगी जोर से हँसी और बोली—"भला, रुपया भी कोई खाता है"।

8. आपके परिवार में भी रुपये की आवश्यकता पड़ती होगी? यह रुपये आपके परिवार के लोग किस प्रकार कमाते हैं। पाँच से दस वाक्यों में लिखिए।

____

____

____

____

9. आपके परिवार में विभिन्न प्रकार के कार्य होते होंगे। कुछ कार्यों से आमदनी होती होगी और कुछ कार्यों से आमदनी नहीं होती होगी। आप अपने, अपने दोस्त और आस-पड़ोस के परिवार से बात कीजिए। पता लगाइए की किस कार्य से आमदनी होती है तथा किस कार्य से नहीं ? विभिन्न परिवारों में इन कार्यों के करने का निर्णय कौन लेते हैं?

कार्य की सूची	आमदनी	निर्णय करनेवाले		
	हाँ/नहीं	अपना परिवार	दोस्त का परिवार	पड़ोस का परिवार
खेती/फसल लगाना	हाँ	दादाजी	पिताजी	भैयाजी
खाना बनाना	नहीं	माँ	माँ	दीदी
दूध बेचना				
बच्चों को स्कूल भेजना				
मेला देखने जाना				
पशु खरीदना				
कपड़े खरीदना				
दाल-सब्जी खरीदना				

© BSTBPC WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

इस कार्य के करने में रशीद को बड़ा मजा आया। रशीद ने अपने दोस्तों को बताया कि मेरे पड़ोस के एक परिवार में सभी निर्णय एक व्यक्ति, जो घर के मुखिया हैं, वही लेते हैं। गाँव में खाद-बीज कीटनाशक की दुकान नहीं है। उस परिवार का एक सदस्य वशु अलग से आमदनी के लिए बैंक से कर्ज लेकर दुकान खोलना चाहते थे। सभी लोगों के मान जाने के बावजूद घर के मुखिया ने किसी की एक न सुनी। उन्होंने दुकान खोलने से मना कर दिया।

10. बताइए :

(i) आप वशु की जगह होते तो क्या करते?

(ii) क्या आपके साथ कभी ऐसा हुआ है कि आप कुछ करना चाहते हैं, पर घर के बड़ों ने मना कर दिया हो?

____

____

(iii) आपके घर में जरूरी फैसले कौन लेता है? इस बारे में आप क्या सोचते हैं?

____

____

(iv) अगर आपके परिवार या रिश्तेदारी में हमेशा एक ही व्यक्ति अपनी बात मनवाता रहे, तो आपको कैसा लगेगा?

____

____

शिवांगी ने कहा —"मेरी दीदी पढ़ने के लिए भुवनेश्वर जाना चाहती थी। पिताजी ने कहा ऐसा नहीं हो सकता। वहाँ उसे हॉस्टल में रहना होगा। उसे वहाँ कोई देखनेवाला नहीं रहेगा। पिताजी ने दीदी से कहा पढ़ना है तो यहीं पढ़ो या पढ़ना बन्द करो। दीदी रुआँसी हो गयी। माँ ने समझाते हुए कहा लड़कियाँ अंतरिक्ष की सैर कर रही हैं और आप इसे भुवनेश्वर नहीं जाने देना चाहते हैं"। चाचा ने भी कहा लड़कियाँ पढ़ेंगी तभी तो आगे बढ़ेंगी। पिता जी को भी लगा ये लोग ठीक ही कह रहे हैं। अंत में सब लोगों ने तय किया कि दीदी भुवनेश्वर पढ़ने जाएगी"।

© BSTBPC
WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

पाठ 11

आओ बनाएँ नक्शा

एक दिन प्रशान्त के पिताजी ने उसे चिट्ठी डालने डाकघर भेजा। नीचे इस रास्ते का एक नज़री नक्शा दिया गया है। इस नक्शे में रास्ते में आ रही अलग–अलग चीज़ों और उन्हें का किसी–न–किसी संकेत से दर्शाया गया है।

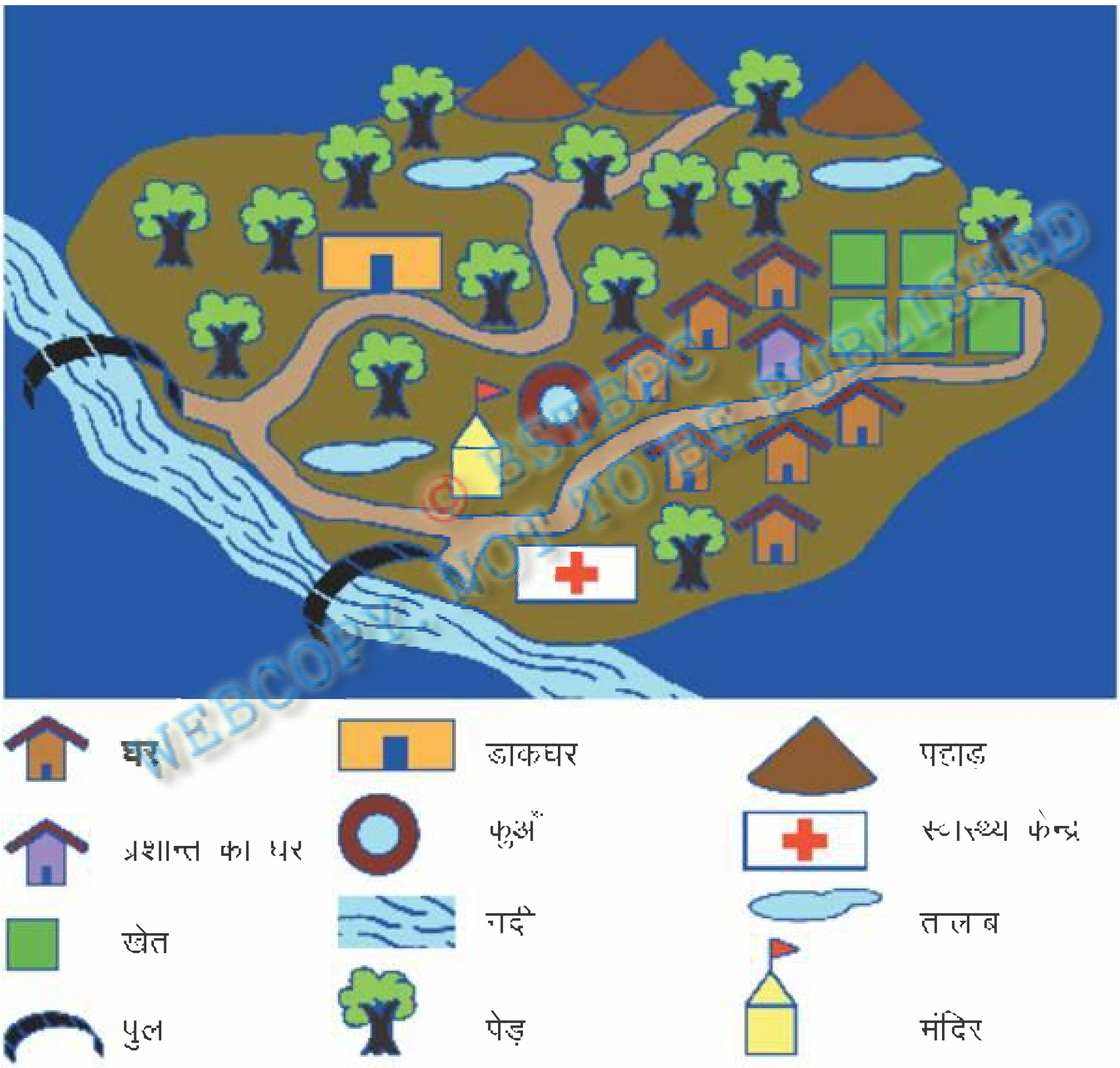

© BSTBPC NOT TO BE PUBLISHED WEBCOPY

1. दिए गए नज़री नक्शे को देखकर बताइए प्रशान्त के अपने घर से डाकघर जाने के रास्ते में क्या–क्या मिलेगा?

____________________ ____________________________

____________________ ____________________________

2. जब आप अपने घर से पाठशाला जाते हैं तो आपको भी रास्ते में पेड़, कुआँ, मन्दिर आदि मिलते होंगे। अपने घर से पाठशाला पहुँचने तक के रास्ते का नज़री नक्शा बनाइए। रास्ते में आ रही चीज़ों और जगहों को संकेतों से दर्शाइए। आप अपने मनचाहे संकेत बना सकते हैं, पर उन्हें नीचे बनाना मत भूलिएगा।

© BSTBPC
WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

संकेत क्या बनाए?

[ ]	________	[ ]	________
[ ]	________	[ ]	________
[ ]	________	[ ]	________

प्रशांत की बहन शीतल ने दिशाओं को पहचानना सीख लिया है। वह उगते सूरज के आधार बनाकर यह बता सकती है कि उसका घर, स्कूल या कोई और जगह, किस दिशा में है।

एक दिन उसने अपने स्कूल के आस–पास के स्थानों को उनकी दिशा के अनुसार कागज़ पर बनाया।

शीतल का नक्शा

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

प्रशांत ने जब शीतल का बनाया हुआ नक्शा देखा तो बोला–नक्शा तो तुम्हारा बिल्कुल सही है। लेकिन कागज़ पर जब नक्शा बनाते हैं तो उत्तर दिशा हमेशा ऊपर की ओर रखते हैं। मतलब किसी स्थान से उत्तर की ओर के स्थानों को ऊपर की ओर बनाया जाएगा। दक्षिण की ओर के स्थानों को नीचे की ओर। इसी प्रकार कागज़ की दाईं ओर पूर्व के स्थानों को और बाईं ओर पश्चिम के स्थानों को बनाया जाता है। इस बात को समझाने के लिए मैं अपने नक्शे पर यह चिह्न बनाता हूँ–

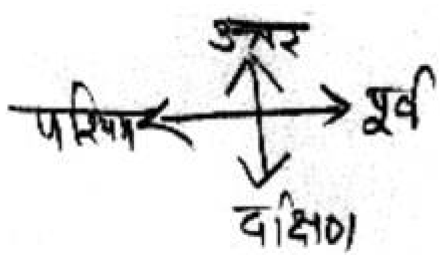

प्रशांत का बनाया नक्शा

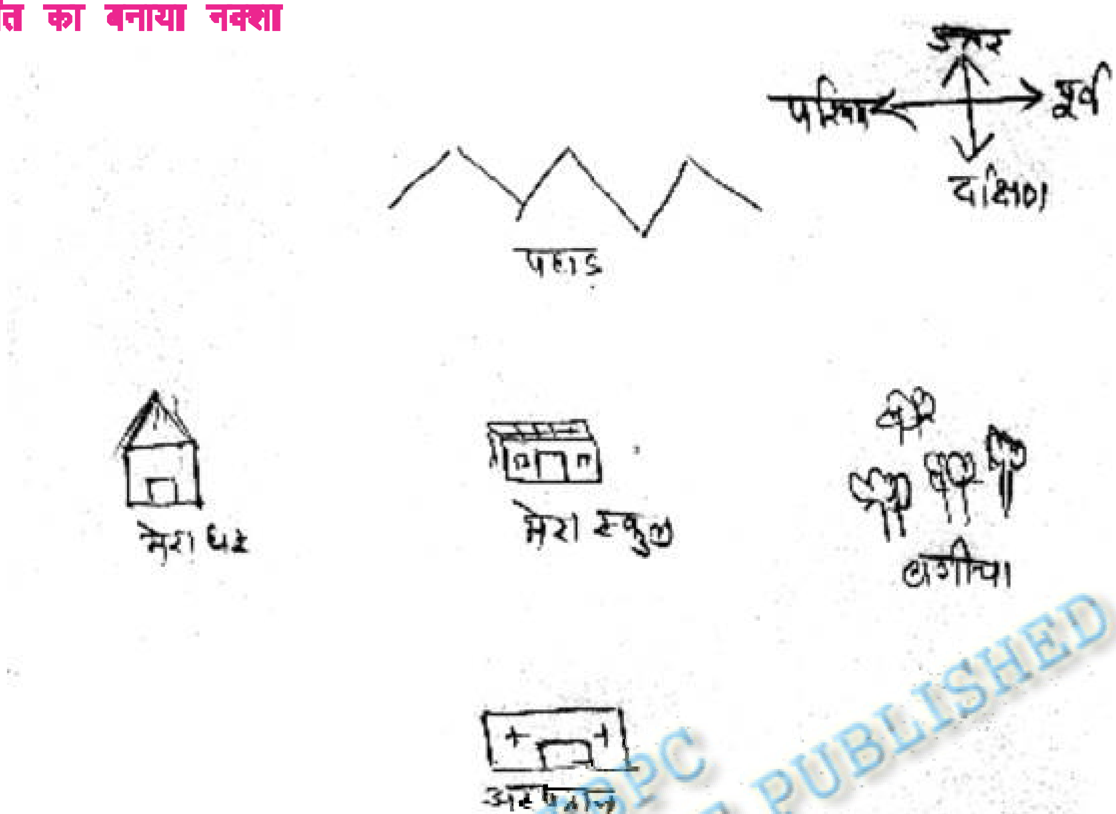

3. शीतल के नक्शे और उसके भाई के नक्शे में क्या फर्क है? दोनों चित्रों को देखकर समझाइए।

____

____

4. आपके स्कूल के आस-पास के स्थानों का नक्शा इस प्रकार से बनेगा।

© BSTBPC
WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

आज़ाद ने नक्शा बनाया

आपने कक्षा तीन में दिशा पहचानना सीख लिया था। इस कक्षा में आपने यह सीख लिया कि नक्शों में दिशाएँ कैसे दर्शायी जाती है और संकेत सूची किस प्रकार बनाई जाती है।

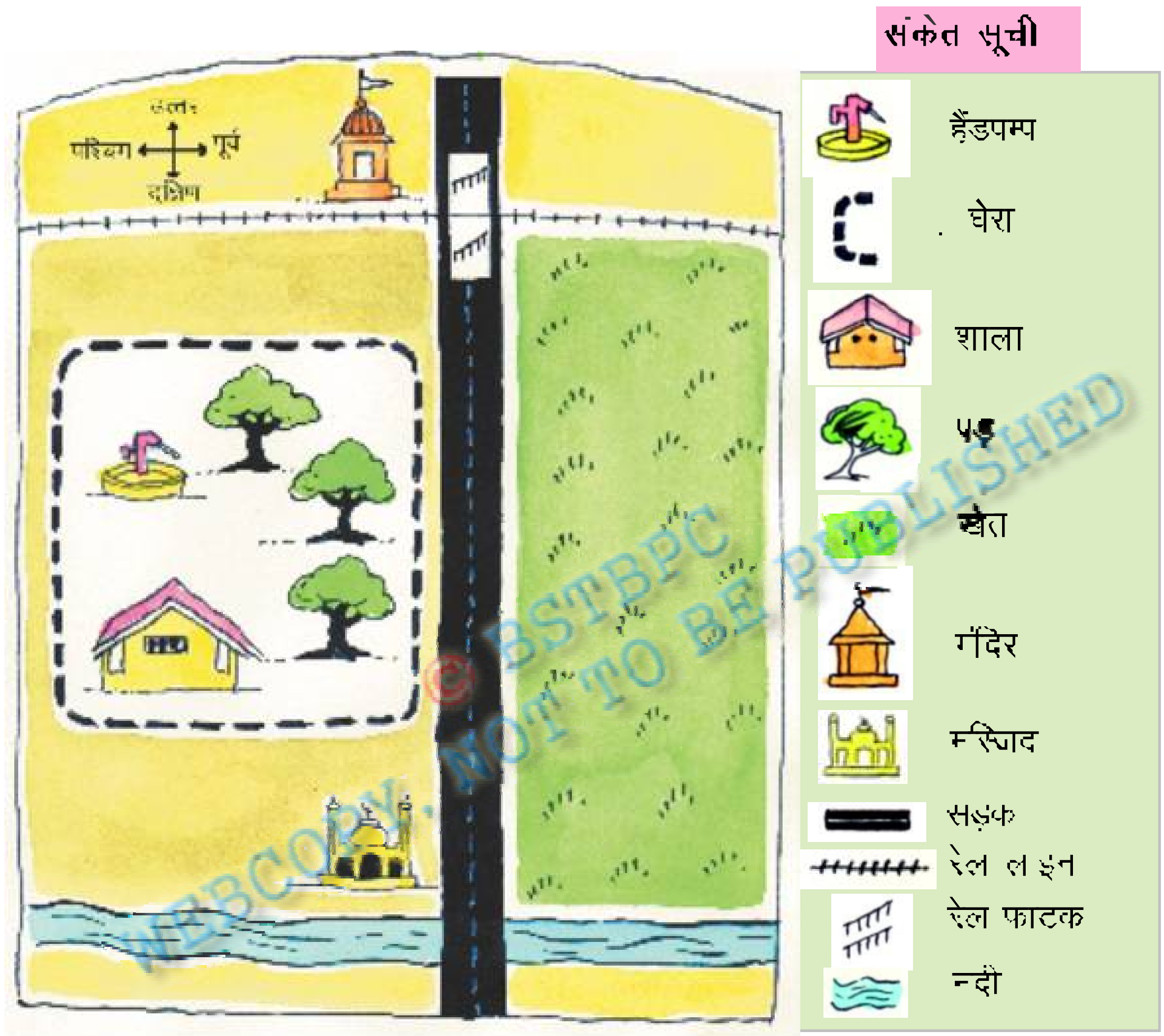

WEBCOPY, © BSTBPC NOT TO BE PUBLISHED

यह नक्शा आज़ाद ने बनाया है। यह उसकी पाठशाला के आस-पास का नक्शा है। नक्शे में खेत, घेरा आदि दर्शाए गए हैं। उसने नक्शे की संकेत सूची भी साथ बनाई है।

आज़ाद ने आपकी मदद के लिए दिशा तीर भी बनाए हैं।

नक्शा और संकेत सूची देखकर इन सवालों के उत्तर दीजिए—

5. (i) हैंडपंप आज़ाद की पाठशाला से किस दिशा में है? ——————————

(ii) सड़क आज़ाद की पाठशाला से किस दिशा में है? (दोनों सड़कों के बारे में बताइए)
————————————————————————————

(iii) रेल लाइन आज़ाद की पाठशाला से किस दिशा में है?——————————

(iv) नदी पाठशाला से किस दिशा में है? ——————————

(iv) सड़क के पूर्व दिशा में क्या है?——————————

6- VC VKI CUKB,&

(जो भी बनाते हैं यदि उसके संकेत सूची में नहीं हों तो उन्हें सूची में तुरंत जोड़िए)

(i) आज़ाद की पाठशाला के दक्षिण में एक पेड़ बनाइए।

(ii) पाठशाला के उत्तर में रंतू का घर बनाइए।

(iii) सड़क के पश्चिम और रेलवे लाइन के दक्षिण में एक कुआँ बनाइए।

(iv) मंदिर और सड़क के पूर्व में एक घर बनाइए।

(v) घेरे में एक और पेड़ बनाइए।

7- VC CRKB,&

(i) रेलवे लाइन के दक्षिण में क्या–क्या है? ——————————

(ii) खेतों के पश्चिम में क्या–क्या है? ——————————

(iii) पाठशाला के पूर्व में क्या–क्या है? ——————————

(iv) नदी आज़ाद की पाठशाला के दक्षिण में है। पर पाठशाला नदी की किस दिशा में है?
————————————————————————————

8. आप भी अपने स्कूल का नक्शा बनाइए। याद रखना, उत्तर की ओर मुँह करके बैठना, और

(क) जो–जो सामने हो यानी उत्तर में, उसे ऊपर बनाना।

(ख) जो पीछे हो यानी ———— में, उसे नीचे की तरफ बनाना।

(ग) जो दाएँ हाथ की ओर हो यानी ———— में, उसे ———— ओर बनाना।

(घ) जो बाएँ हाथ पर हो यानी ———— में, उसे ———— ओर बनाना।

© RSTPPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

पाठ 12

अपना प्यारा घर

नन्ही गौरैया को अंडे देने हैं। वह चाहती थी कि एक बढ़िया घोंसला बनाए। जहाँ वह सुकून से अंडे दे सके और अपने बच्चे की सुरक्षित देख–भाल कर सके। घोंसला बनाने के पहले उसने अन्य पक्षियों के घोंसलों को देखना ज़रूरी समझा। सबसे पहले वह गुट्टू कबूतर से मिली।

"गुट्टू दादा! एक बढ़िया घोंसला बनाने के लिए मुझे तुम्हारी सलाह चाहिए।"

"घोंसले को बढ़िया बनाने में मेहनत करना तो बेकार ही है क्योंकि ज़्यादा से ज़्यादा महीनेभर के लिए ही घोंसले की ज़रूरत रहती है। मेरी तरह कहीं भी चार तिनके जमाओ और काम चलाओ।"

"यह भी कोई बात हुई?" नन्ही ने सोचा और बिना कुछ कहे वहाँ से चली गई। रास्ते में मिट्ठू मामा से मुलाकात हुई।

"मिट्ठू मामा मुझे एक शानदार घर बनाना है। मेरी कुछ मदद करोगे?"

"बनाती क्यों हो? मेरी तरह कोई कोटर देख लो न?"

नन्ही ने कोटर में झाँककर देखा "बाप रे, यह घर है या अँधेरा कुआँ?"

इसके बाद नन्ही बया से मिली। बया बोली, "मेरा घोंसला बेशक शानदार है, लेकिन यह तो तुम्हारे लिए बड़ा मुश्किल होगा नन्ही।"

"वैसे भी इसमें खिड़कियाँ तो हैं ही नहीं" नन्ही ने मन–ही–मन में सोचा और दर्ज़िन के पास पहुँची।

दर्जिन उस समय घास के मज़बूत रेशों से पत्तों को सिलकर घोंसला बना रही थी। सूई का काम अपनी नुकीली चोंच से ले रही थी।

दर्जिन गर्व से नन्ही की ओर देखती हुई बोली, ''तुम्हारे लिए मेरे जैसा घोंसला बनाना तो संभव ही नहीं है क्योंकि तुम्हारे पास मेरी जैसी चोंच नहीं है। तुम बुलबुल पंडुकी और कालू कौए का घोंसला देख लो। उन्हें आसानी से बनाया जा सकता है।

बुलबुल का घोंसला देखकर नन्ही बोली, ''यह तो कोई खास नहीं है।''

और कौए का घोंसला देखकर, ''इतना बड़ा घोंसला? और ऐसा कँटीला और कठोर? मेरे नाजुक बच्चे भला ऐसे घर में कैसे रहेंगे?''

''लेकिन अब वह समय आ गया है जब मुझे घोंसला जल्दी बना लेना चाहिए।''

क्या करूँ? कैसे घोंसला बनाऊँ? नन्ही सोच रही थी।

तभी तारों पर बैठा एक नीलकण्ठ बोला, ''तुम तो अपने तरीके से ही अपना घर बनाओ। वही सबसे अच्छा घर होगा।''

नन्ही ने वैसा ही किया और अपने घोंसले में चार अण्डे दिए। अण्डों को सेने के लिए बैठी नन्ही को लगा कि वह घोंसला ही उसका सबसे प्यारा और अनोखा घर है।

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

CRKB, %&

1 क्या सभी पक्षियों के घोंसले एक जैसे हैं? ——————————————————

2. कहानी में किन–किन पक्षियों के घोंसलों के बारे में बात की गई है? आपको सबसे अच्छा घोंसला कौन सा लगा और क्यों?

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

3. सभी पक्षी अपने लिए अलग–अलग प्रकार से रहना और अंडे देने के स्थानों का चयन करते हैं। अपने मित्रों के साथ पक्षियों के रहने की जगह एवं उसे बनानेवाली सामग्री का पता लगाइए।

क्र.सं.	पक्षी का नाम	घोंसला कहाँ बना हुआ है	बनाने में लगी सामग्री का नाम
1.	कौआ		
2.	कबूतर		
3.	तोता		
4.	दर्जिन चिड़िया		
5.	उल्लू		
6.	गोरैया		
7.	कठफोड़वा		
8.	नीलकंठ		
9.	बया		

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

4. जो पक्षी आपके गाँव में रहते हैं उनके घोंसले को ढूँढ़ने की कोशिश कीजिए। उसे बिना छुए और नुकसान पहुँचाए प्रतिदिन देखिए। किसी एक घोंसले के बारे में बताइए–

(क) घोंसला किस पक्षी का है? ————————————————

(ख) घोंसला किन–किन चीज़ों से बना है?

————————————————————————

————————————————————————

(ग) उसमें अंडे हैं या नहीं? हैं तो कितने हैं?————————

(घ) अंडों का रंग कौन सा है?————————————————

(ङ) अंडों से बच्चे कितने दिन बाद निकले? ————————

(छ) बच्चे कैसी आवाज़ें निकालते हैं?————————————

(ज) उनके पंख कितने दिन में निकले? ————————————

(झ) उन्होंने उड़ना कैसे सीखा?

————————————————————————

————————————————————————

(ट) चिड़िया अपने बच्चों को क्या–क्या खिलाती है, और कैसे खिलाती है?

————————————————————————

————————————————————————

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

5. हमारे आस–पास के जीव जन्तु विभिन्न जगहों पर रहते हैं। कुछ जीव जमीन पर तो कुछ पानी में तथा कुछ दोनों जगहों पर। जबकि कुछ जीव पेड़ों पर अपना निवास बनाते हैं। आप अपने आस–पास रहनेवाले जीवों की सूची इस तालिका के आधार पर बनाइए–

जमीन पर रहनेवाले	पेड़ों पर रहनेवाले	पानी में रहनेवाले	जमीन और पानी दोनों में रहनेवाले

जिस तरह विभिन्न जीव अलग–अलग जगह पर रहते हैं, उसी तरह उनके आवास भी अलग–अलग तरह के होते हैं। कुछ गुफाओं में रहते हैं कुछ बिल में। कुछ पक्षी घोंसलों में रहते हैं तो कुछ कोटर में। पता कीजिए, कौन से जीव कैसे आवास में रहते हैं?

जीव	आवास	जीव	आवास
चूहा		उल्लू	
चींटी		गीदड़	
मोर		साँप	
भालू		बंदर	

6. बहुत सारे जीव दिन में बाहर निकलते हैं और रात में अपने आवास में रहते हैं। पर कुछ जीव केवल रात में ही अपने आवास से बाहर निकलते हैं। कौन–कौन से जीव हैं जो रात में बाहर निकलते हैं? ये जीव दिन में कहाँ रहते हैं?

क्र.सं.	रात में दिखनेवाले जीव	दिन में वे कहाँ रहते हैं
1.		
2.		
3.		
4.		

© BSTBPC
WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

परियोजना कार्य

बच्चो, आप घास–फूस एवं तिनकों की मदद से एक घोंसला बनाइए तथा उसमें रूई के दो–तीन अंडे बनाकर रखिए।

पाठ 13

खेत से घर तक

मेरा नाम बसंती है। मैं सुल्तानपुर में रहती हूँ। मेरे पिताजी किसान हैं। हमारे खेत में धान, गेहूँ, दलहन, तिलहन, सब्जियाँ आदि बोयी जाती हैं। जब फसल बोने का समय आता है तो मुझे बड़ा अच्छा लगता है। मुझे भी खेतों में काम करना अच्छा लगता है।

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

1. आपके गाँव में कौन–कौन सी सब्जियाँ, दाल, फल तथा अनाज उगाए जाते हैं?

क्र.सं.	अनाज	दाल	फल	सब्जियाँ
1.				
2.				
3.				
4.				

पिताजी बताते हैं की फसल अच्छी हो इसके लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है। सबसे पहले फसल बोने के लिए खेत की जुताई करनी पड़ती है, फिर बुवाई, निराई–गुड़ाई और हाँ समय–समय पर पानी भी देना ज़रूरी है। कुछ अनाज जाड़े में बोते हैं और गर्मी में काटे जाते हैं और कुछ गर्मी में बोए जाते हैं और सर्दी में काटे जाते हैं।

2. तालिका को भरिए–

क्र.सं.	गर्मी में बोया जानेवाला अनाज	जाड़े में बोया जानेवाला अनाज
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		

धान, प्याज, मिर्च आदि बोने के पहले उसका बिचड़ा तैयार किया जाता है। तैयार बिचड़े को उखाड़कर फिर खेत में बराबर–बराबर दूरी पर रोपते हैं। जबकि गेहूँ, मक्का, सरसों आदि के बीज सीधे खेतों में डाल दिये जाते हैं।

3. तालिका में भरिए–

क्र.सं.	बिचड़ों से तैयार होने वाली फसल	बीज से तैयार होने वाली फसल
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

4. धान की खेती कैसे होती है? क्रम में लिखिए।

कटनी, रोपनी, गैजनी, ओसौनी, निकाई, जुताई, पटवन, धान की बुनाई, बिचड़े तैयार करना।

(i) ____________ (ii) ____________ (iii) ____________

(iv) ____________ (v) ____________ (vi) ____________

(vii) ____________ (viii) ____________ (ix) ____________

रामधीन एक मेहनती किसान हैं। वह अक्सर अपने खेत पर ही दिखाई देते हैं– चिलचिलाती धूप हो या बरसात की बारिश, जाड़े के दिन हो या गर्मी की उमस। उन्हें खेत की हरियाली से बहुत प्यार है। वह सुबह–सबेरे उठ जाते हैं। खेत से सब्ज़ियों को तोड़ते हैं और टोकरियों में भरकर सड़क के किनारे रोज़ाना साढ़े पाँच बजे आ जाते हैं। टेम्पो पर लादकर सब्ज़ियों को बाज़ार पहुँचाते हैं।

5. रामधीन सब्जियों को बाजार क्यों ले जाते हैं?

____

____

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

रामधीन के गाँव ही में करीम चाचा हैं, जो रोज़ाना सुबह–सबेरे सब्ज़ी मंडी जाते हैं। टेम्पो और ठेले पर लादकर तरह–तरह की सब्ज़ियाँ तथा फल लाते हैं। सड़क किनारे एक दुकान में उसे शाम तक बेचते हैं।

6. रामधीन का सब्जियों को बाज़ार ले जाना और करीम चाचा का बाज़ार से सब्ज़ियों का लाना दोनों में क्या अंतर है?

____

7. आप अपने इलाके में सब्ज़ी बेचनेवाले/वाली से बात कीजिए और पता लगाइए–

(i) उनका नाम क्या है?

____

(ii) उनको सब्ज़ी बेचने में कौन–कौन मदद करते हैं?

____

(iii) ये सब्ज़ियाँ कहाँ से लाते हैं?

____

____

(iv) दिनभर में कितने घंटे सब्ज़ी बेचने का काम करते हैं?

____

____

8. उनसे किन्हीं तीन सब्ज़ियों के बारे में निम्नलिखित सवालों को कीजिए और लिखिए–

क्र. सं.	सब्ज़ियों के नाम			
1.	सब्ज़ी के दाम (प्रति किलोग्राम)			
2.	कहाँ से लाए गए			
3.	मंडी से एक बार में कितनी मात्रा में सब्ज़ियाँ लाते हैं?			
4.	किस माह में इस सब्ज़ी को आसानी से प्राप्त किया जा सकता है?			

9. आपके गाँव में कौन–कौन सी सब्ज़ियाँ उगाई जाती हैं? कौन–कौन सी सब्ज़ियाँ बाहर से लाई जाती हैं?

क्र.सं.	गाँव में उगाई जानेवाली सब्ज़ियाँ	बाहर से आनेवाली सब्ज़ियाँ
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		

© BSTBPC
WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

10. हम खाने के लिए जितनी भी चीज़ों का उपयोग करते हैं, उसे उपजाने और हम तक पहुँचाने में कौन – कौन लोग सहायता करते है।

(i) अनाज के बोने में ______________________

(ii) बोने से तैयार होने तक ______________________

(iii) तैयार होने से बाज़ार पहुँचने तक ______________________

(iii) बाज़ार से आपके घर आने तक ______________________

11. भोजन बनाने में विभिन्न तरह के मसालों का उपयोग होता है। आपके घर के रसोई घर में कौन–कौन से मसाले हैं? इसकी एक सूची बनाइए।

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

12. इन मसालों में से कुछ आपके आस–पास उपजते होंगे और कुछ बाहर से लाए जाते होंगे। इनके नाम सारणी में भरिए।

क्र.सं.	आस–पास उपजनेवाले मसाले	बाहर से आनेवाले मसाले
1.		
2.		
3.		

© BSTBPC
WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

13. शिक्षक की मदद से पता लगाइए कि बाहर से आनेवाले इन मसालों का उत्पादन किन राज्यों में होता है।

क्र.सं.	मसाले का नाम	राज्य का नाम
1.		
2.		
3.		

परियोजना कार्य

VKIDS ?KJ ESA MIYC/K ELKYKSA] NYGU] FRYGU ,OA VU; VUKTKSA DS FKKSM+S&FKKSM+S NKUS YSDJ XKSAN DH LGK;RK LS PKVZ&ISIJ IJ VYX&VYX FPIDKB,A BUDS UKE O MI;KSX FYF[K,A

पाठ 14

बालमेला और खेल

अभ्यास मध्य विद्यालय शेखपुर में आज बाल–मेले का आयोजन है। सभी छात्र–छात्राएँ बहुत खुश हैं। बाल–मेले में विभिन्न प्रकार की शैक्षिक एवं खेल–कूद प्रतियोगिताएँ होनेवाली हैं। मैदान की साफ–सफाई पूर्ण में हो चुकी है। बाल–संसद के सदस्यगण अपने शिक्षकों के साथ बाल–मेला के आयोजन में व्यस्त हैं। प्रतियोगिताओं में भाग लेनेवाले विद्यार्थी अपना–अपना अभ्यास कर रहे हैं। कोई दौड़ लगा रहा है तो कोई कूद रहा है। कोई चित्र बनाने का अभ्यास कर रहा है तो कोई भाषण देने की तैयारी।

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

1. क्या आपके विद्यालय में भी बाल मेला का आयोजन होता है?

____

____

2. आप बाल–मेले में किस–किस प्रतियोगिता में भाग लेते हैं?

____

____

____

सोचिए–

3. खेलने से पूर्व मैदान की साफ–सफाई क्यों आवश्यक है?

____

____

4. बाल–मेले में आयोजित खेल–प्रतियोगिता की एक सूची बनाइए?

____

____

____

© BSTBPC
WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

5. आप घर या विद्यालय में खेले जानेवाले खेलों के नाम तालिका में लिखिए।

घर पर खेले जानेवाले खेल	विद्यालय में खेले जानेवाले खेल	दोनों जगह खेले जानेवाले खेल

6. कोई ऐसा खेल जो आपको पसंद है, उसके बारे में नीचे दी गई तालिका में लिखिए।

खेल का नाम	खेल के दौरान प्रयोग होनेवाली सामग्री	खिलाड़ियों की संख्या	खेलने में लगनेवाला समय	कहाँ खेला जाता है

7. आप अपनी पसंद के किसी एक खेल के बारे में बताइए कि उसमें क्या–क्या नियम होते हैं?

____

____

____

अन्ततः वह दिन आ गया जिस दिन सोनू के विद्यालय में बाल मेला का आयोजन होनेवाला था। सुबह से ही सारे बच्चे मैदान में थे। कुछ बच्चे लम्बी कूद लगा रहे थे, कुछ दौड़ लगा रहे थे तो कुछ बच्चे फुटबॉल खेल रहे थे। तभी फुटबॉल खेलनेवाले कुछ बच्चे खेलते–खेलते आपस में झगड़ पड़े। तभी एक अध्यापक वहाँ पहुँच गए। उन्होंने झगड़ा बन्द करवाया और बच्चों को समझाया कि हर खेल के कुछ नियम होते हैं। हमें खेलभावना के साथ कोई खेल खेलना चाहिए। किसी भी खेल में टीम के सभी सदस्यों का आपसी सहयोग व तालमेल बहुत जरूरी होता है।

BSTBPC
WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

8. अनुमान लगाइए कि यह झगड़ा क्यों हुआ होगा?

____

____

9. क्या खेलते वक्त आपका किसी से झगड़ा हुआ है?

____

____

10. अक्सर खेलते वक्त किस बात को लेकर झगड़ा होता है?

____

____

11. खेल में झगड़ा न हो, इसके लिए हमें क्या–क्या करना चाहिए?

____

____

____

आपने कई बच्चों को खेलते हुए देखा होगा। क्या ऐसा हुआ है कि कुछ खेल केवल लड़कियाँ ही खेलती हैं उन्हें लड़के नहीं खेलते हैं और कुछ खेल केवल लड़के खेलते हैं उन्हें लड़कियाँ नहीं खेलती हैं ?

नीचे की तालिका में लिखिए –

ऐसे खेल जिन्हें केवल लड़कियाँ खेलती हैं	ऐसे खेल जिन्हें केवल लड़के खेलते हैं	ऐसे खेल जिन्हें दोनों खेलते हैं

12. क्या लड़कों के लिए अलग और लड़कियों के अलग खेल होने चाहिए? कारण भी बताइए।

13. क्या सभी खेलों को लड़के एवं लड़कियाँ दोनों खेल सकते हैं? अपने विचार लिखिए।

© BSTBPC
WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

पाठ 15

आस-पास की सफाई

मीना के घर के आगे बहता था एक नाला,
कूड़ा–कचड़ा फेंक जिसे लोगों ने भर डाला।

पॉलीथीन, फटे कपड़े, और बासी खाना,
क्या जरूरी था उसे नाले में भरते जाना,

रहता हरदम कचड़ों से नाला इतना जाम,
नाली उफनी, पानी फैला, गंदगी फैली तमाम।

समझो भाई बात है इतनी, कचड़ा मत फैलाओ,
जिसमें इनको डाल सको, गड्ढा एक बनाओ।

आस–पास की साफ सफाई है सबकी जिम्मेदारी
कूड़ेदान के उपयोग में ही है अपनी समझदारी।

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

1. हम सबको अपने आस–पास की सफाई क्यों करनी चाहिए?

____

____

____

2. कूड़े–कचरे को यहाँ–वहाँ फेंकने से क्या–क्या नुकसान होते हैं?

____

____

____

3. हम सब लोगों के घरों में बहुत प्रकार की बेकार सामग्री या चीज़ें होती हैं। इन बेकार की अनुपयोगी सामग्री की एक सूची बनाइए, जिसे हम बाहर फेंकते हैं।

______________	______________	______________
______________	______________	______________
______________	______________	______________
______________	______________	______________